मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 216
शुक्रवार, 20 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

सरकार के साथ समाज भी उठाए धरती बचाने की जिम्मेदारीः शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, 19 फरवरी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को जलवायु परिवर्तन को विश्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि सरकार इस समस्या के समाधान के लिए कदम उठा रही है, लेकिन इस धरती को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी जनता की भी है। मीडिया से बात करते हुए चौहान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज विश्व के सामने सबसे बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है। विश्व के कई देशों ने पहले ही यह संकल्प लिया है कि जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए कदम उठाने होंगे। सरकार इस दिशा में कदम उठा रही है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुद्दे पर देश के लिए कुछ लक्ष्य निर्धारित किए हैं।

मंत्री ने आगे इस बात पर जोर दिया कि भावी पीढ़ियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार और समाज दोनों की है, और कहा, ₹यह सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है - भावी पीढ़ियों के लिए इस धरती को सुरक्षित रखना समाज का भी कर्तव्य है।₹ इस बीच, भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अपनी वित्तीय प्रतिबद्धता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जलवायु कार्रवाई पर खर्च छह साल पहले सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3.7 प्रतिशत से बढ़कर आज लगभग 5.6 प्रतिशत हो गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 14 फरवरी को जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित 'अस्थिरता की डिग्रीः गर्म होती दुनिया में जलवायु सुरक्षा' टाउनहॉल में बोलते हुए ये आंकड़े साझा किए।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत केवल अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा नहीं कर रहा है, बल्कि पर्यावरणीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सक्रिय रूप से अपने संसाधनों का निवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल के दौरान प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए कई पहलें भी शुरू की हैं, जैसे मिशन मौसम, मिशन लाइफ, एक पेड़ मां के नाम और अमृत सरोवर। 14 जनवरी को उन्होंने पोंगल से संबंधित एक कार्यक्रम को भी संबोधित किया, जहां उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की रक्षा करना सर्वोच्च आवश्यक ताओं में से एक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मिट्टी की रक्षा करना, जल संरक्षण करना और संसाधनों का संतुलित उपयोग करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकताओं में से एक है। मिशन लाइफ, एक पेड़ मां के नाम और अमृत सरोवर जैसी पहलें इसी भावना को आगे बढ़ा रही हैं। केंद्र सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

सत्ता में बैठी सरकार जनता के मूल मुद्दों से भटक चुकी है: शिवपाल यादव

लखनऊ, 19 फरवरी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। शिवपाल यादव ने राज्य सरकार और उपमुख्यमंत्री पर तीखा हमला बोलते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठी सरकार जनता के मूल मुद्दों से भटक चुकी है और जमीनी हकीकत से पूरी तरह कटी हुई है।

समाजवादी पार्टी के महासचिव एवं वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल बयानबाजी से काम नहीं चलेगा, सरकार को जनता के प्रति जवाबदेही तय करनी होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार गंभीर नहीं है। शिवपाल यादव ने हाल ही में शंकराचार्य से जुड़े विवाद का जिक्र करते हुए कहा कि पूजनीय शंकराचार्य जी का अपमान हुआ है।

उन्होंने यह भी कहा कि डिप्टी सीएम बटुको को लाकर कितना भी ढकने की कोशिश कर लें, लेकिन अपमान हो चुका है। साथ ही उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम भी सरकार का हिस्सा हैं, इसलिए इस पूरे प्रकरण की जिम्मेदारी सरकार पर है।

वेब सीरीज को लेकर भी उन्होंने टिप्पणी की। शिवपाल यादव ने कहा कि किसी भी वेब सीरीज या फिल्म के निर्माण में कानून का पालन अनिवार्य है। जो लोग नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि यह उनका आंतरिक मामला है और इस पर उन्हें कुछ नहीं कहना है। शिवपाल यादव के इस बयान के बाद प्रदेश की सियासत में एक बार फिर गर्माहट बढ़ गई है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

गैस टैंकर ट्रक में भयानक धमाका, 3 लोगों की मौत, 10 घायल

सैंटियागो,19 फरवरी। चिली की राजधानी सैंटियागो में गुरुवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ, जिसमें गैस से भरे टैंकर ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होकर फट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लोग घायल हो गए।

यह दुर्घटना शहर के उत्तरी हिस्से में तड़के हुई। तरल गैस ले जा रहा एक टैंकर ट्रक अचानक नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद वह हाईवे पर लगी लोहे की सुरक्षा रेलिंग (गार्डरेल) से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुछ ही पलों में टैंकर में जोरदार विस्फोट हो गया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि आसपास का इलाका दहल उठा और आग की लपटें दूर तक दिखाई दीं।

इस हादसे का असर सिर्फ टैंकर तक सीमित नहीं रहा। विस्फोट की वजह से पास से गुजर रही कम से कम सात अन्य कारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। कई वाहनों में आग लग गई और सड़क पर अफरा-तफरी मच गई।

चिली की राष्ट्रीय पुलिस Carabineros de Chile के प्रमुख विक्टर विएलमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि ट्रक अचानक नियंत्रण से बाहर हो गया था और गार्डरेल से टकरा गया। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि ड्राइवर ने वाहन पर से नियंत्रण क्यों खोया। पुलिस और जांच एजेंसियां हादसे के कारणों की जांच कर रही हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या तकनीकी खराबी, तेज रफ्तार या किसी अन्य कारण से यह दुर्घटना हुई।

धमाके में घायल हुए 10 लोगों को तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है।

हादसे के बाद इलाके में ट्रैफिक रोक दिया गया और आपातकालीन सेवाओं को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यह घटना राजधानी सैंटियागो के लिए एक बड़ा झटका है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे जांच पूरी होने तक प्रभावित इलाके से दूर रहें और ट्रैफिक निदेर्शों का पालन करें।

ईरान के पास सिर्फ 10 दिन का समय, ट्रंप बोले- 'सौदा नहीं हुआ तो बहुत बुरा होगा'

वॉशिंगटन, 19 फरवरी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे टकराव में अगले 10 दिनों के भीतर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि अगर कोई सार्थक समझौता नहीं हुआ तो बुरी चीजें होंगी। ट्रंप ने यह बात वॉशिंगटन में आयोजित बोर्ड ऑफ पीस कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने बताया कि ईरानी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत जारी है और अब तक की बातचीत रचनात्मक रही है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि इतिहास गवाह है कि ईरान के साथ एक ठोस और प्रभावी समझौता करना आसान नहीं रहा है।

ट्रंप ने अमेरिकी वातार्काीरों स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर का जिक्र किया, जो ईरान के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये दोनों अच्छे लोग

हैं और ईरानी प्रतिनिधियों के साथ उनकी बैठकों का माहौल सकारात्मक रहा है। ट्रंप के अनुसार, ईरान इस समय हॉटस्पॉट बना हुआ है और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिश हो रही है।

ट्रंप ने कहा, हम अच्छी बातचीत कर रहे हैं लेकिन सालों से यह साबित हुआ है कि ईरान के साथ एक सार्थक समझौता करना आसान नहीं है। उन्होंने आगे कहा, हमें एक सार्थक समझौता करना होगा, नहीं तो बुरी चीजें होंगी। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका एक कदम आगे बढ़ सकता है, यानी कड़े कदम उठा सकता है, अगर 10 दिनों में समझौता नहीं हुआ। उन्होंने कहा, शायद हम समझौता कर लें, शायद नहीं। आपको अगले लगभग 10 दिनों में पता चल जाएगा।

समाचार एजेंसी Reuters की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने मध्य-पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी काफी बढ़ा दी है। विमानवाहक पोत , लड़ाकू जेट और अतिरिक्त रक्षा प्रणाली को क्षेत्र में तैनात किया गया है। वहीं, सैटेलाइट तस्वीरों में यह भी देखा गया है कि ईरान अपने परमाणु और मिसाइल ठिकानों को मजबूत कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, सुरंगों के प्रवेश द्वारों को और सुरक्षित किया गया है और संवेदनशील ठिकानों पर कंक्रीट की अतिरिक्त परत चढ़ाई गई है। हालांकि, तेहरान लगातार यह कहता रहा है कि वह परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा है।

गौरतलब है कि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में 2015 के परमाणु समझौते (ईरान न्यूक्लियर डील) से अमेरिका को बाहर कर लिया था। उनका कहना था कि वह समझौता कमजोर था और पर्याप्त नहीं था। ट्रंप अब एक नए और ज्यादा सख्त समझौते की वकालत कर रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति Joe Biden के कार्यकाल में पुराने समझौते को दोबारा जिंदा करने की कोशिश हुई थी, लेकिन कोई अंतिम समझौता नहीं हो पाया। हाल ही में Geneva में अमेरिकी और ईरानी अधिकारियों के बीच बातचीत हुई, जिसे दोनों पक्षों ने रचनात्मक बताया। लेकिन वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि अभी भी कई बड़े मतभेद बाकी हैं।

ट्रंप द्वारा दिया गया 10 दिन का समयसीमा संकेत देता है कि जल्द ही निर्णायक मोड़ आ सकता है। हालांकि फिलहाल किसी तत्काल सैन्य कार्रवाई की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन कूटनीतिक समयसीमा, सैन्य तैनाती और परमाणु कार्यक्रम को लेकर बढ़ते तनाव ने अमेरिका-ईरान संबंधों को फिर से वैश्विक सुर्खियों में ला दिया है। आने वाले दिन यह तय करेंगे कि दोनों देश समझौते के रास्ते पर आगे बढ़ते हैं या टकराव की दिशा में।

पीएम मोदी सांस्कृतिक रूप से असंवेदनशील हैंः ममता बनर्जी

कोलकता, 19 फरवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर संत रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर उनके नाम के कथित दुरुपयोग को लेकर तीखा प्रहार किया। फेसबुक पर एक पोस्ट के माध्यम से बनर्जी ने प्रधानमंत्री को 'सांस्कृतिक रूप से असंवेदनशील' बताया। एक बार फिर स्तब्ध! हमारे प्रधानमंत्री ने एक बार फिर बंगाल की महान हस्तियों के प्रति अपनी सांस्कृतिक असंवेदनशीलता का आक्रामक प्रदर्शन किया है। उन्होंने फेसबुक पर लिखा आज युगावतार (हमारे युग में ईश्वर का अवतार) श्री श्री रामकृष्ण परमहंसदेव की जन्मतिथि है। इस अवसर पर महान संत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, हमारे प्रधानमंत्री ने उनके नाम के आगे अभूतपूर्व और अनुचित उपसर्ग 'स्वामी' जोड़ दिया है।

गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी ने

बंगाल के प्रसिद्ध संत रामकृष्ण की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने ट्वीट में नरेंद्र मोदी ने रामकृष्ण को संबोधित करने से पहले स्वामी शब्द का प्रयोग किया, जिसकी ममता बनर्जी के साथ-साथ तृणमूल के कई प्रमुख नेताओं, जिनमें पार्टी प्रवक्ता कुणाल घोष भी शामिल हैं, ने आलोचना की। पश्चिम बंगाल में रामकृष्ण परमहंस को 'ठाकुर' या 'श्री रामकृष्ण' के नाम से जाना जाता है और तृणमूल के कई नेताओं ने इस बात पर जोर दिया। प्रेस से बात करते हुए कुणाल घोष ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ठाकुर श्री रामकृष्ण परमहंस देव की जयंती पर एक पोस्ट किया। आम तौर पर स्वामी शब्द का प्रयोग पूजा या गुरुदेव से संबंधित मामलों में किया जाता है।

असम में प्रियंका गांधी का चुनावी शंखनाद

असम। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को असम विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के राजनीतिक अभियान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से लोगों से मिलकर सुझाव लेंगी और टिकटों का प्रभावी वितरण सुनिश्चित करेंगी। आज सुबह शहर पहुंची कांग्रेस सांसद ने टिकट वितरण प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चयन समिति के सदस्य राज्य के हर जिले का दौरा कर रहे हैं। गांधी ने पत्रकारों से कहा कि मैं सभी से मिल रही हूं और उनके सुझाव और प्रतिक्रिया ले रही हूं। हम दो दिनों तक यही करेंगे, कोशिश करेंगे कि ज्यादा से ज्यादा लोगों से व्यक्तिगत रूप से मिल सकें। प्रियंका ने कहा कि चयन समिति के सदस्य हर जिले में जा रहे हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered

- Std. XI & XII (Sci.)
- MHT-CET
- NEET
- Polytechnic & Engg
- JEE (Main & Advance)
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

विश्व सामाजिक न्याय दिवस- 20 फरवरी, 2026

असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तारः एक सार्थक पुकार

-ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम ह्लसमावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटनाह्व हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं-चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है। मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है।

समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। ह्लसंतुष्टिकरणह्व बनाम ह्लतुष्टिकरणह्व की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है।

आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि ह्लयह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।ह्व रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि ह्लमनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून हैह्व लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है। सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और शेष को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने का प्रयास है। प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके। 2026 का यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि न्याय और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग सामाजिक न्याय से होकर ही गुजरता है। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सके, तभी हम कह सकेंगे कि हमने सामाजिक न्याय के आदर्श को साकार किया है। इस तरह सामाजिक न्याय केवल नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि चेतना का प्रश्न है। यह हमारे विचारों, व्यवहार और निर्णयों में परिलक्षित होना चाहिए। जब नागरिक और शासन दोनों मिलकर समानता, गरिमा और अवसर की संस्कृति का निर्माण करेंगे, तभी विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। समावेश को सशक्त बनाकर और असमानताओं की खाई को पाटकर ही हम एक ऐसे समाज की रचना कर सकते हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक स्थायी हो।

रंगभरी एकादशी : शिव की नगरी में उतरता आस्था, प्रेम और परंपरा का विराट रंगोत्सव

-सुरेश गांधी

सनातन आस्था की शाश्वत राजधानी वाराणसी में रंगभरी एकादशी केवल पर्व नहीं, बल्कि भगवान शिव की कृपा से शुरू होने वाला दिव्य रंगोत्सव माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि महाशिवरात्रि के बाद भगवान भोलेनाथ माता पार्वती को अपने धाम काशी लेकर आते हैं और उसी दिन भक्तों को रंग खेलने की अनुमति प्रदान करते हैं। यही क्षण काशी में आध्यात्मिक होली के औपचारिक शुभारंभ का प्रतीक बन जाता है। धर्म और श्रद्धा के केंद्र काशी विश्वनाथ मंदिर में इस दिन विशेष पूजन, भव्य श्रृंगार और पारंपरिक रंगोत्सव का आयोजन होता है। बाबा विश्वनाथ को अबीर-गुलाल अर्पित करते हुए श्रद्धालु यह विश्वास करते हैं कि शिव की कृपा से जीवन में प्रेम, सुख और समरसता के रंग खिलते हैं। मंदिर परिसर से लेकर काशी की संकरी गलियों तक भक्ति, फाग गीतों और आध्यात्मिक उल्लास की अद्भुत छटा दिखाई देती है। साधु-संत, श्रद्धालु और स्थानीय लोग शिवमय वातावरण में रंगों के साथ श्रद्धा का उत्सव मनाते हैं। रंगभरी एकादशी काशी की उस गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है, जहां अध्यात्म लोकजीवन से जुड़कर सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखता है। यह पर्व केवल रंगों का उत्सव नहीं बल्कि शिव और शक्ति के दिव्य मिलन का संदेश देता है, जो काशी को सनातन संस्कृति की आध्यात्मिक धुरी बनाता है

फागुन का पहला शंखनाद

फाल्गुन की मादक बयार जब धरती पर रंगों की चादर बिछाने लगती है, तब भारतीय संस्कृति का उत्सवी हृदय भी उल्लास से भर उठता है। ऋतु परिवर्तन, प्रकृति का श्रृंगार और मानव जीवन की उमंग, इन सबके बीच एक ऐसा पर्व आता है, जो केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि भारतीय लोकजीवन और आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव बन जाता है। मतलब साफ है रंगभरी एकादशी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि भारतीय जीवनदर्शन का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि जीवन में रंग तभी आते हैं जब श्रद्धा, प्रेम और उत्साह का संगम होता है। जो काशी में फागोत्सव की पहली आधिकारिक दस्तक मानी जाती है। इस दिन संपूर्ण वाराणसी शिवमय हो उठती है। मंदिरों की घंटियां, डमरू की थाप, वैदिक मंत्रों की ध्वनि और गुलाल की उड़ती रंगत इस नगरी को एक ऐसे आध्यात्मिक रंगोत्सव में बदल देती है, जिसमें श्रद्धा और आनंद एक साथ प्रवाहित होते हैं।

यह शिव-पार्वती के दिव्य मिलन, सामाजिक समरसता, लोकसंस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का अनूठा उत्सव है। पूरे शहर की आत्मा में रंग, भक्ति और उल्लास भर देता है। इस दिन बाबा का दरबार विशेष रूप से सजाया जाता है और काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ता है। श्रद्धालु बाबा को अबीर-गुलाल अर्पित करते हैं और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। मंदिर परिसर में भक्तिरस और उत्सव का ऐसा संगम दिखाई देता है, जो काशी की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। काशी में मनाया जाने वाला यह उत्सव भारतीय संस्कृति की उस विरासत का प्रतीक है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आस्था, उल्लास और समरसता का संदेश देती चली आ रही है। यह पर्व भारतीय संस्कृति में विवाह के बाद बेटी के मायके से ससुराल विदाई की भावनाओं को भी दशार्ता है, जिससे यह उत्सव धार्मिक होने के साथ-साथ सामाजिक संवेदनाओं से भी जुड़ जाता है। काशी में इस दिन हर गलियारा, हर घाट और हर मंदिर एक ही संदेश देता है, जहां शिव हैं, वहां प्रेम है, रंग है और अनंत आनंद है।

शिव-पार्वती के दांपत्य प्रेम का उत्सव

रंगभरी एकादशी का उल्लेख कई धार्मिक ग्रंथों और पुराणों में मिलता है। धार्मिक मान्यतानुसार, रंगभरी एकादशी का मूल भाव भगवान भगवान शिव और उनकी अर्धांगिनी माता पार्वती के दांपत्य प्रसंग से जुड़ा हुआ है। लोक मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन विवाह के पश्चात रंगभरी एकादशी को माता पार्वती का गौना होता है और इसी दिन शिव उन्हें पहली बार काशी लेकर आते हैं। यह प्रसंग केवल धार्मिक कथा नहीं बल्कि भारतीय पारिवारिक परंपराओं का सांस्कृतिक प्रतिबिंब भी है। बेटी के गौना की भावनाएं, मायके से विदाई का स्नेह और वैवाहिक जीवन का मंगल आरंभ, इन सबका प्रतीक यह उत्सव बन जाता है। काशी में इस दिन बाबा विश्वनाथ को दूल्हे के रूप में सजाया जाता है। माता गौरा को नववधू के रूप में श्रृंगारित कर पालकी यात्रा निकाली जाती है। श्रद्धालु इस दिव्य युगल का स्वागत गुलाल और फूलों से करते हैं। यही वह अवसर होता है जब काशी में भगवान शिव भक्तों के साथ रंग और गुलाल से होली खेलते हैं। धार्मिक दृष्टि से यह पर्व दांपत्य जीवन की मधुरता, प्रेम और सामाजिक समरसता का प्रतीक माना जाता है। यह पर्व भगवान विष्णु की उपासना से भी जुड़ा हुआ है क्योंकि इसे आमलकी एकादशी भी कहा जाता है। इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा का विशेष विधान है। धार्मिक ग्रंथों में आंवले को देवताओं का निवास स्थान बताया गया है।

तिथि, मुहूर्त और दुर्लभ योगों का अद्भुत महासंयोग

फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष एकादशी का पर्व केवल धार्मिक आस्था का ही नहीं बल्कि ज्योतिषीय दृष्टि से भी अत्यंत शुभ और दुर्लभ माना जाता है। रंगों और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर यह पावन तिथि काशी में विशेष रूप से महत्त्व रखती है, जहां भगवान काशी विश्वनाथ मंदिर में यह पर्व उत्साह, भक्ति और पारंपरिक वैभव के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष रंगभरी एकादशी कई शुभ योगों के संयोग से अत्यंत फलदायी और सिद्धिदायक मानी जा रही है, जो इसे सामान्य धार्मिक तिथि से कहीं अधिक दिव्य बना देती है।

तिथि और काल गणना

हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन शुक्ल एकादशी तिथि का आरंभः 27 फरवरी को रात्रि 12.33 बजे से है. तिथि का समापनः 27 फरवरी को रात्रि 10.32 बजे है. उदयातिथि के अनुसार यह व्रत और पर्व 27 फरवरी शुक्रवार को मनाया जाएगा। रंगभरी एकादशी को आमलकी एकादशी भी कहा जाता है क्योंकि इस दिन भगवान विष्णु के साथ आंवले के वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है।

इस वर्ष के चार महाशुभ योग

इस बार रंगभरी एकादशी पर चार दुर्लभ और अत्यंत शुभ योग बन रहे हैं, जो आध्यात्मिक साधना और शुभ कार्यों के लिए अत्यंत फलदायी माने जाते हैं।

1. रवि योगः प्रातः 06.48 बजे से 10.48 बजे तकः यह योग नकारात्मक शक्तियों को समाप्त करने वाला माना जाता है और किसी भी शुभ कार्य की शुरूआत के लिए अत्यंत श्रेष्ठ होता है।

2. सर्वार्थ सिद्धि योगः प्रातः 10.48 बजे से प्रारंभ होकर 28 फरवरी सुबह 06.47 बजे तक है.

यह योग नाम के अनुरूप सभी कार्यों को सफल बनाने वाला माना जाता है। धार्मिक अनुष्ठान, दान, पूजन और संकल्प इस योग में विशेष फल प्रदान करते हैं।

3. आयुष्मान योगः प्रातः काल से लेकर शाम 07.44 बजे तकः यह योग आयु वृद्धि, स्वास्थ्य और मानसिक शांति प्रदान करने वाला माना जाता है।

4. सौभाग्य योगः शाम 07.44 बजे के बाद प्रारंभ, यह योग वैवाहिक सुख, समृद्धि और पारिवारिक मंगल का प्रतीक माना जाता है।

पूजा और व्रत के विशेष शुभ मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्तः सुबह 05.17 बजे से 06.05 बजे तक, यह समय ध्यान, जप और आध्यात्मिक साधना के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है।

पूजा का श्रेष्ठ समयः सुबह 06.48 बजे से 11.08 बजे तक, इस अवधि में भगवान विष्णु, शिव और माता पार्वती की पूजा करना अत्यंत शुभ माना गया है।

लाभ-उन्नति मुहूर्तः सुबह 08.15 बजे से 09.41 बजे तक, धन, व्यापार और करियर से जुड़ी कामनाओं के लिए यह समय अत्यंत शुभ माना जाता है।

अमृत सर्वोत्तम मुहूर्तः सुबह 09.41 बजे से 11.08 बजे तक, यह मुहूर्त सर्वश्रेष्ठ और अत्यंत फलदायी माना जाता है। इस समय की गई पूजा विशेष रूप से सिद्धिदायक मानी जाती है।

अभिजीत मुहूर्तः दोपहर 12.16 बजे से 01.02 बजे तक, अभिजीत मुहूर्त को विजय और सफलता का प्रतीक माना जाता है।

राहुकालः दोपहर के पूर्व पूजा पूर्ण करना श्रेष्ठ माना गया है क्योंकि इसके बाद राहुकाल प्रारंभ हो जाता है, जिसमें शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं।

व्रत पारण का शुभ समयः रंगभरी एकादशी व्रत का पारणः 28 फरवरी, शनिवार सुबह 06.47 बजे से 09.06 बजे तक है.

द्वादशी तिथि का समापनः रात्रि 08.43 बजे, धार्मिक मान्यता के अनुसार पारण द्वादशी तिथि समाप्त होने से पूर्व करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

मणिकर्णिका घाटः जीवन और मृत्यु का अद्भुत दर्शन

रंगभरी एकादशी का सबसे रहस्यमयी और आध्यात्मिक स्वरूप अनादि तीर्थ मणिकर्णिका घाट पर देखने को मिलता है। यह वह स्थान है जहां जीवन और मृत्यु का दर्शन एक साथ होता है। यह घाट भारतीय दर्शन का जीवंत प्रतीक है, जहां जलती चिताओं के बीच भक्त भस्म और गुलाल से होली खेलते हैं। यह दृश्य मानव जीवन के उस शाश्वत सत्य को प्रकट करता है कि मृत्यु अंत नहीं, बल्कि आत्मा की यात्रा का एक पड़ाव है। लोक मान्यता है कि देवताओं के साथ होली खेलने के बाद शिव अपने गणों, भूत, प्रेत और पिशाच, के साथ भस्म होली खेलते हैं। यह शिव के समभाव और अघोर दर्शन का प्रतीक माना जाता है।

आमलकी पूजा का आध्यात्मिक महत्व

रंगभरी एकादशी को आमलकी एकादशी भी कहा जाता है। इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, आंवले के मूल में भगवान विष्णु का निवास माना जाता है, मध्य भाग में भगवान रुद्र, शीर्ष भाग में ब्रह्मा. इस दिन वृक्ष की पूजा, दीपदान और परिक्रमा करने से पापों का नाश और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

काशी की परंपराः रंगों में रचा-बसा आध्यात्मिक उत्सव

काशी में रंगभरी एकादशी केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि लोकजीवन का उत्सव बन जाती है। इस दिन पूरी वाराणसी शिवमय हो जाती है। बाबा विश्वनाथ के दरबार में माता पार्वती का विशेष श्रृंगार किया जाता है। मंदिर परिसर में भक्त अबीर-गुलाल अर्पित करते हैं और भजन-कीर्तन से पूरा वातावरण शिवमय हो जाता है। श्रद्धालु अनादि तीर्थ मणिकर्णिका घाट सहित विभिन्न घाटों पर स्नान और पूजन करते हैं। इस दिन भगवान शिव माता पार्वती का गौना कर भक्तों के साथ होली खेलते हैं। यही परंपरा काशी में फागोत्सव की औपचारिक शुरूआत मानी जाती है।

होली उत्सव की आधिकारिक शुरूआत

काशी में रंगभरी एकादशी को होली उत्सव की औपचारिक शुरूआत माना जाता है। यह पर्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है। इस दिन काशी की गलियां, फाग गीतों से गूंज उठती हैं. मंदिरों में विशेष उत्सव आयोजित होते हैं. साधु-संतों और श्रद्धालुओं के बीच रंगोत्सव मनाया जाता है.

सामाजिक और सांस्कृतिक आयाम

रंगभरी एकादशी काशी की जीवंत लोकसंस्कृति को भी प्रदर्शित करती है। यह पर्व परिवारिक संबंधों को मजबूत करता है. समाज में प्रेम और सौहार्द का संदेश देता है. सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखता है. काशी की परंपरा में यह पर्व महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। माता पार्वती के गौना की परंपरा नारी सम्मान और वैवाहिक जीवन की मधुरता का प्रतीक मानी जाती है।

आध्यात्मिक संदेश और जीवन दर्शन

रंगभरी एकादशी केवल रंगों का उत्सव नहीं बल्कि जीवन दर्शन का भी प्रतीक है। यह पर्व सिखाता है कि जीवन में प्रेम और समरसता आवश्यक है. आध्यात्मिक साधना मानसिक शांति प्रदान करती है. सामाजिक एकता ही संस्कृति की शक्ति है.

व्रत और पूजा विधि

इस दिन श्रद्धालु प्रातः स्नान कर व्रत का संकल्प लेते हैं। पूजा में भगवान विष्णु और शिव की आराधना, आंवले के वृक्ष की पूजा, दान और भजन विशेष फलदायी माना जाता है।

ज्योतिषीय दृष्टि से विशेष महत्व

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस दिन किया गया व्रत, आयु वृद्धि करता है. दांपत्य जीवन में सुख देता है. आर्थिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है. मानसिक शांति प्रदान करता है. पापों का नाश करता है. स्वास्थ्य और आयु में वृद्धि करता है. पितरों की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करता है.

आध्यात्मिक ऊर्जा और सामाजिक उल्लास का संगम

रंगभरी एकादशी काशी की उस सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है जहां धर्म, अध्यात्म और लोकजीवन एक साथ प्रवाहित होते हैं। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि जीवन में रंग, प्रेम और आध्यात्मिक ऊर्जा भरने का संदेश देता है।

परंपरा, संस्कृति और आधुनिकता का संतुलन

आज के तेजी से बदलते सामाजिक परिवेश में रंगभरी एकादशी जैसे पर्व भारतीय संस्कृति की जड़ों को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि आधुनिकता के साथ परंपराओं का संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। काशी की यह परंपरा केवल धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि भारतीय सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रतीक है।

रंगों में समाहित अध्यात्म का उत्सव

रंगभरी एकादशी केवल एक धार्मिक तिथि नहीं बल्कि जीवन के रंगों को समझने और उन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा से जोड़ने का अवसर है। जब शिव और शक्ति का मिलन रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त होता है, तब यह पर्व जीवन में प्रेम, संतुलन और समरसता का संदेश देता है। काशी की यह परंपरा सदियों से भारतीय संस्कृति की जीवंतता और आध्यात्मिक समृद्धि का प्रतीक बनी हुई है।

राजशाही स्वरूप और पालकी यात्रा की परंपरा

रंगभरी एकादशी का सबसे आकर्षक दृश्य बाबा विश्वनाथ की राजसी पालकी यात्रा होती है। पूर्व महंत आवास से बाबा की चल प्रतिमा राजसी वेशभूषा में नगर भ्रमण के लिए निकलती है। माता गौरा की पालकी यात्रा के दौरान भक्त मंगल गीत गाते हैं और गुलाल उड़ाते हैं। इस परंपरा को काशी की जीवंत सांस्कृतिक धरोहर माना जाता है, जो सदियों से चली आ रही है।

पौराणिक कथा और आध्यात्मिक विश्वास

रंगभरी एकादशी से जुड़ी एक प्राचीन कथा राजा चित्रसेन से संबंधित है। कहा जाता है कि राजा एकादशी व्रत के अत्यंत श्रद्धालु थे। एक बार शिकार के दौरान डाकुओं ने उन पर हमला किया। तभी भगवान की कृपा से राजा के शरीर से दिव्य शक्ति प्रकट हुई और दुष्टों का संहार कर दिया। यह कथा इस व्रत की आध्यात्मिक शक्ति और श्रद्धा के महत्व को दशार्ती है।

प्रमाणन की होड़ में दम तोड़ती अकादमिक गुणवत्ता

-प्रियंका सौरभ

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा हालिया विवाद सोशल मीडिया और मुख्यधारा मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना। सतह पर यह मामला उपयुक्तता, प्राथमिकताओं या कैंपस संस्कृति से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविकता में यह भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे एक गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है। समस्या रोबोडॉग नहीं है। समस्या यह है कि हमारे विश्वविद्यालय धीरे-धीरे क्या बनते चले गए हैं।

पिछले दो दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों, स्ववित्तपोषित कॉलेजों और डिग्री संस्थानों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इस विस्तार को अक्सर ह्लशिक्षा तक पहुँच बढ़नेह्व और ह्लजनसांख्यिकीय लाभह्व के रूप में प्रस्तुत किया गया। लेकिन जब यह विस्तार समानांतर नियमन, अकादमिक कठोरता और जवाबदेही के बिना हुआ, तो इसकी कीमत गुणवत्ता को चुकानी पड़ी। परिणाम यह हुआ कि मात्रा बढ़ी, पर गुणवत्ता लगातार गिरती चली गई।

आज देश के अधिकांश—हालाँकि सभी नहीं—निजी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज शिक्षा के केंद्र कम और डिग्री वितरण केंद्र अधिक बन गए हैं। शिक्षा एक बौद्धिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लेन-देन बनती जा रही है—पैसे के बदले डिग्री। उपस्थिति, अकादमिक भागीदारी, प्रयोगशाला कार्य और बौद्धिक अनुशासन जैसी बातें अब अनिवार्य नहीं रहीं, बल्कि समझौते के दायरे में आ गई हैं। जो कभी उच्च शिक्षा में गैर-समझौतावादी हुआ करता था, वह अब लचीला, कमजोर और विकृत हो चुका है। यह गिरावट विशेष रूप से उन विषयों में चिंताजनक है जहाँ कठोरता अनिवार्य है। सैद्धांतिक पढ़ाई का कमजोर होना एक बात है, लेकिन विज्ञान शिक्षा का खोखला हो जाना कहीं अधिक गंभीर है। आज स्थिति यह है कि छात्र बिना नियमित कक्षाओं में गए और बिना प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए विज्ञान जैसे विषयों में स्नातक और परास्नातक डिग्रियाँ प्राप्त कर रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्य—जो कभी वैज्ञानिक प्रशिक्षण की रीढ़ हुआ करता था—अब औपचारिकता बनकर रह गया है। डिग्रियाँ तो दी जा रही हैं, लेकिन दक्षता सुनिश्चित नहीं की जा रही। इस खोखलेपन के परिणाम तब स्पष्ट होते हैं जब छात्र नौकरी के लिए सामने आते हैं। रसायन विज्ञान में परास्नातक छात्र बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाएँ नहीं समझ पाता। कॉमर्स स्नातक डेबिट और क्रेडिट की मूल अवधारणा स्पष्ट नहीं कर पाता। प्रबंधन की डिग्री रखने वाला छात्र समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच में कमजोर दिखाई देता है। ये कोई इक्का-दुक्का उदाहरण नहीं, बल्कि उद्योग जगत द्वारा बार-बार देखी जा रही सामान्य प्रवृत्तियाँ हैं।

स्वाभाविक रूप से इससे छात्रों और अभिभावकों में निराशा पैदा होती है। वर्षों की पढ़ाई और भारी आर्थिक निवेश के बावजूद जब रोजगार नहीं मिलता, तो सवाल उठते हैं। माता-पिता यह पूछने में बिल्कुल सही होते हैं कि पढ़ाई के बाद भी बच्चा बेरोजगार क्यों है। अक्सर इस असंतोष का निशाना सरकार बनती है, जिस पर रोजगार सृजन न कर पाने का आरोप लगाया जाता है। हालाँकि रोजगार सृजन एक नीतिगत चुनौती है, लेकिन यह विमर्श एक असहज सच्चाई को नजरअंदाज कर देता है—कि बड़ी संख्या में स्नातक वास्तव में रोजगार-योग्य ही नहीं हैं। यहीं से मूल प्रश्न जन्म लेता है। यदि छात्रों में आवश्यक ज्ञान और कौशल नहीं है, तो उन्हें योग्य घोषित करने वाली डिग्रियाँ उन्हें कैसे मिल गईं? ऐसी संस्थाओं को बिना अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित किए प्रमाणपत्र बाँटने की अनुमति किसने दी? इसका उत्तर हमें उच्च शिक्षा के नियामक ढाँचे में मिलता है। भारत में उच्च शिक्षा की देखरेख कई मंत्रालयों, विभागों और नियामक संस्थाओं द्वारा की जाती है, जिनका घोषित उद्देश्य मानकों की रक्षा, गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना है। मान्यता प्रणालियाँ, निरीक्षण, मूल्यांकन और अकादमिक ऑडिट इसी उद्देश्य से बनाए गए थे। लेकिन व्यवहार में ये प्रक्रियाएँ अक्सर वास्तविक मूल्यांकन की बजाय औपचारिक अनुष्ठान बनकर रह गई हैं।

निरीक्षण प्रायः पूर्व-निर्धारित होते हैं। दस्तावेज औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सजाए जाते हैं। इमारतों और बुनियादी ढाँचे को शिक्षण गुणवत्ता पर प्राथमिकता दी जाती है। अनुपालन को सीखने के परिणामों से ऊपर रखा जाता है। छात्रों का वास्तविक अकादमिक अनुभव, शिक्षण की गुणवत्ता, परीक्षा की कठोरता और जिज्ञासा की संस्कृति—इन पर गंभीर और निरंतर निगरानी शायद ही होती है। नतीजतन, संस्थान शिक्षा सुधारने के बजाय नियामकों को ह्लमैनेजह्व करना सीख लेते हैं।

इस नियामक शिथिलता ने एक दुष्चक्र को जन्म दिया है—संस्थान न्यूनतम अकादमिक जवाबदेही के साथ चलते रहते हैं, नियामक निगरानी का आभास बनाए रखते हैं, और डिग्रियाँ लगातार जारी होती रहती हैं। इस व्यवस्था की कीमत न तो संस्थान चुकाते हैं, न ही नियामक—बल्कि छात्र, नियोक्ता और समाज चुकाता है। विडंबना यह है कि एक ओर उद्योग जगत योग्य मानव संसाधन की कमी की शिकायत करता है, वहीं दूसरी ओर देश शिक्षित बेरोजगारी के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यह कोई विरोधाभास नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम है जहाँ प्रमाणपत्र को क्षमता से ऊपर रखा गया है। कंपनियाँ नए कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित करने पर भारी खर्च करने को मजबूर हैं, जबकि युवा पेशेवर आत्मविश्वास की कमी और करियर ठहराव से जूझते हैं। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा शिकार वे ईमानदार और प्रतिभाशाली छात्र हैं, जो अक्सर विकल्पों की कमी या भ्रामक ब्रांडिंग के कारण औसत संस्थानों में दाखिला ले लेते हैं। वे मेहनत करते हैं, सीखना चाहते हैं, लेकिन अंततः उन्हें अपनी काबिलियत से ज्यादा अपनी मार्कशीट पर दर्ज संस्थान के नाम का बोझ उठाना पड़ता है। उनकी व्यक्तिगत योग्यता संस्थागत विश्वसनीयता की कमी में दब जाती है। यह केवल अन्याय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा की बबार्दी है। यह स्वीकार करना होगा कि भारत में आज भी कुछ उच्च-गुणवत्ता वाले संस्थान मौजूद हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। लेकिन वे अपवाद हैं, नियम नहीं। उल्लेखनीय है कि बारहवीं तक की स्कूली शिक्षा आज भी अपेक्षाकृत अधिक संरचित और नियंत्रित है। जैसे ही छात्र उच्च शिक्षा में प्रवेश करता है, निगरानी ढीली पड़ जाती है और अपेक्षाएँ धुंधली हो जाती हैं। यदि इस प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो इसके दीर्घकालिक परिणाम गंभीर होंगे। डिग्रियों का सामाजिक और आर्थिक मूल्य घटेगा। उच्च शिक्षा पर सार्वजनिक विश्वास कमजोर होगा। योग्यता और औसतपन के बीच का अंतर और अधिक अस्पष्ट होता जाएगा। ह्लहर गली में विश्वविद्यालयह्व जैसे वाक्य व्यंग्य नहीं, बल्कि यथार्थ का वर्णन बन जाएंगे—जहाँ विश्वविद्यालय तो हर जगह होंगे, पर शिक्षा नहीं। अब सुधार का समय है—और वह सुधार ईमानदार और कठोर होना चाहिए। नियामक संस्थाओं को बॉक्स-टिकिंग से आगे जाकर परिणाम-आधारित, पारदर्शी और अप्रत्याशित मूल्यांकन अपनाना होगा। शिक्षण की गुणवत्ता, सीखने के परिणाम, छात्र सहभागिता और मूल्यांकन की ईमानदारी को इमारतों और विज्ञापनों से ऊपर रखना होगा।

संस्थानों की जवाबदेही तय करनी होगी। जो कॉलेज और विश्वविद्यालय लगातार अकादमिक रूप से असफल हो रहे हैं, उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए—सीटों में कटौती, पाठ्यक्रम निलंबन या मान्यता रद्द करने तक। उच्च शिक्षा ऐसा व्यवसाय नहीं हो सकता जहाँ असफलता की कोई कीमत न चुकानी पड़े। छात्रों और अभिभावकों को भी अधिक सजग होना होगा। केवल मार्केटिंग, बुनियादी ढाँचे और ब्रांडिंग के आधार पर निर्णय लेना भविष्य के साथ समझौता है। शिक्षा कोई साधारण खरीद नहीं, बल्कि बौद्धिक और व्यावसायिक विकास में निवेश है—और गलत निर्णयों के दूरगामी परिणाम होते हैं। अंततः, उच्च शिक्षा का उद्देश्य डिग्री बाँटना नहीं, बल्कि सोचने-समझने वाले, सक्षम और ज़िम्मेदार नागरिक तैयार करना है। जब तक यह मूल उद्देश्य पुनः स्थापित नहीं होता, तब तक रोबोडॉग जैसे विवाद आते रहेंगे—कुछ समय के लिए शोर मचाएँगे और फिर शांत हो जाएँगे—जबकि असली संकट जस का तस बना रहेगा। हमें सजावटी सुधार नहीं, बल्कि प्रणालीगत आत्ममंथन चाहिए। क्योंकि शिक्षा का संकट कभी केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहता—वह चुपचाप राष्ट्र का भविष्य गढ़ता है।

जिला परिषद पालघर में धूमधाम से मनी शिवजयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में छत्रपती शिवाजी महाराज की जयंती गुरुवार 19 फरवरी 2026 को बड़े हर्ष व श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे तथा अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला व बाल विकास) व्यंकटराव हुंडेकर तथा जिला परिषद संवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर ने छत्रपती शिवाजी महाराज के शौर्य, दूरदृष्टि एवं स्वराज्य की स्थापना में उनके योगदान को याद करते हुए उनकी न्यायप्रिय प्रशासनिक नीतियों को सराहा। उन्होंने कहा कि महाराज ने रयते के कल्याण को सर्वोपरि मानते हुए लोकाभिमुख व समावेशी शासन व्यवस्था स्थापित की, और उनके विचारों का अनुसरण करना ही उन्हें सच्चे रूप में श्रद्धांजलि अर्पित करना होगा। इस कार्यक्रम में शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) अशोक पाटील, शिक्षा अधिकारी (योजना) शेषराव बडे, सहायक जिला आरोग्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे सहित जिला परिषद के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने महाराज की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को स्मरण किया।

इस मौके पर 'उल्हास ऐप' के सूचना पुस्तिका का विमोचन भी मान्यवरों के हाथों किया गया। साथ ही पालघर जिला वार्षिक विशेषांक 2025-26 का प्रकाशन किया गया। इस विशेषांक में ₹उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम₹ के तहत जिले के शैक्षणिक प्रयासों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया है। यह कार्यक्रम एक प्रेरणादायक व उत्साही वातावरण में संपन्न हुआ, जिसने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों में राष्ट्रप्रेम व कर्तव्यनिष्ठा की भावना को और भी प्रगाढ़ किया।

छत्रपती शिवाजी महाराज जयंती पर भव्य पदयात्रा का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपती शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर गुरुवार 19 फरवरी को पालघर शहर में पाचबत्ती चौक से तहसील कार्यालय तक एक भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस पदयात्रा में जिला प्रशासन, विद्यार्थियों व नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान राष्ट्राभिमान, शौर्य और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया।

पदयात्रा का उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. इंदु राणी जाखड की अध्यक्षता में सुबह 7 बजे हुआ। इस मौके पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख, निवासी उपजिला अधिकारी सुभाष भागडे, तहसिलदार रमेश शेंडगे, जिला क्रीडा अधिकारी सुहास व्हनमाने सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

₹ जय भवानी, जय शिवाजी ₹ के उद्घोष के साथ पूरे क्षेत्र में जोश भर गया। पारंपरिक वेशभूषा में सजी सांस्कृतिक पथक, ढोल-ताशों की गूंज में आगे बढ़ रही थी। एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड और स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों ने अनुशासित तरीके से पदयात्रा में भाग लिया, जिससे यह और भी शानदार बन गई।

इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. इंदु राणी जाखड ने छत्रपती शिवाजी महाराज के आदर्शों को अपनाते हुए सुशासन, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रसेवा के लिए प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रशासन के विभिन्न विभागों का आभार व्यक्त किया। पदयात्रा में भाग लेने वाले सभी युवाओं को क्रीडा विभाग की ओर से ऑनलाइन प्रशस्तिपत्र प्रदान किये जायेंगे, जिससे उनकी उत्साही भागीदारी को और बढ़ावा मिलेगा।

आरएसएस मानहानि मामले में राहुल गांधी शनिवार को भिवंडी न्यायालय में होंगे पेश

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। आरएसएस से जुड़े मानहानि प्रकरण की सुनवाई के सिलसिले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार (21) को भिवंडी न्यायालय में उपस्थित रहेंगे। बतादें कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भिवंडी तालुका के सोनाले में आयोजित सभा में दिए गए एक बयान को लेकर यह मामला दर्ज किया गया था। इस बयान के विरोध में आरएसएस पदाधिकारी राजेश कुंटे द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कथित बदनामी को लेकर भिवंडी न्यायालय में भारतीय दंड संहिता की धारा 500 के तहत निजी शिकायत दायर की थी। मामले में राहुल गांधी द्वारा दिए गए जमानतदार, पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल चाकूरकर के निधन के कारण अब नया जमानतदार पेश किया जाएगा। इसी प्रक्रिया के लिए राहुल गांधी न्यायालय में उपस्थित हो रहे हैं, यह जानकारी उनके वकील एडवोकेट नारायण अय्यर ने दी। इस प्रकरण में शिकायतकर्ता राजेश कुंटे की जिरह और प्रतिजिरह पूरी हो चुकी है, जबकि मामले की जांच करने वाले पुलिस अधिकारी सायकर की जिरह भी दर्ज की जा चुकी है। राजनीतिक रूप से इस मामले को लेकर भी चर्चा तेज है। एक ओर ह्लकांग्रेस मुक्त भारतह्व का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी की मातृसंस्था आरएसएस द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज है, वहीं दूसरी ओर उसी दल के साथ गठबंधन कर भिवंडी आ रहे राहुल गांधी को लेकर स्थानीय कांग्रेस की भूमिका पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

शिरगाव में ग्लोबल कोकण महोत्सव व पालघर मिनी सरस प्रदर्शनी का पालकमंत्री गणेश नाईक ने किया उद्घाटन

पालघर(उत्तरशक्ति)। शिरगाव के खूबसूरत समुद्र तट पर आयोजित ग्लोबल कोकण महोत्सव और पालघर मिनी सरस प्रदर्शनी का उद्घाटन वनमंत्री व पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक के हाथों किया गया। यह महोत्सव 22 फरवरी तक जारी रहेगा। कोकण की संस्कृति, पर्यटन और स्थानीय उद्यमिता का समागम प्रस्तुत करने वाले इस महोत्सव को नागरिकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है।

पालकमंत्री गणेश नाईक ने शिरगाव, केलवा, सातपाटी, माहीम, चिंचणी, और वसई सहित 10 किनारों का पर्यटन दृष्टि से समग्र विकास करने का संकल्प लिया। उनका कहना था कि पर्यटकों के लिए सुरक्षा, स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करते हुए, इस क्षेत्र के प्राकृतिक सौंदर्य को उकेरा जाएगा। उन्होंने जिलाधीकारी डॉ. इंदू रानी जाखड को डीपीडीसी बैठक में विस्तृत डीपी प्लान बनाने की सलाह दी। पालकमंत्री ने वाढ़वण में बनने वाले बंदर का जिक्र करते हुए कहा कि यह एशिया के महत्वपूर्ण बंदरों में शामिल होगा। इसके अलावा, बुलेट ट्रेन, समृद्धी महामार्ग और अन्य प्रमुख मार्गों से पालघर में बुनियादी ढांचे का जाल बिछेगा, जिससे उद्योगों का विकास होगा और स्थानीय किसानों व युवाओं का भी समग्र विकास होगा। पालघर जिले में पर्यावरणीय संतुलन बनाये रखने के लिए 12 करोड़ पौधे लगाने की योजना है। इसके साथ ही, वनों में आग और वन्यजीवों के हमलों को रोकने के लिए

पालघर जिला अब दुनिया से जुड़ेगा : पालकमंत्री गणेश नाईक

आधुनिक तकनीकी उपाय, जैसे चॉपर और ड्रोन का उपयोग किया जाएगा। पालकमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा 300 करोड़ वृक्षारोपण के अभियान में जिले की भागीदारी को सुनिश्चित किया। महिलाओं के स्व-सहायता समूहों के माध्यम से कोकण सरस को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया है ताकि स्थानीय उत्पादों को बाजार में स्थान मिल सके। इसके अलावा, भविष्य में जल परिवहन प्रणाली को गुजरात तक विस्तार देने की भी योजना है। उनका कहना था कि चाहे फंड की कमी हो, लेकिन विकास की गति थमने नहीं दी जायेगी। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख हस्तियों में विधायक राजेंद्र गावित, वसई-विरार महापौर राजीव पाटील, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख व शिरगाव के सरपंच घनश्याम मोरे सहित कई मान्यवर उपस्थित थे। इसके अलावा, राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी शार्दूल ठाकुर, प्रसिद्ध सिने अभिनेता अरुण नलावडे, विजय पाटकर व अन्य कला क्षेत्र के दिग्गज भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

कांग्रेस गटनेता का पार्टी व्हिप भिवंडी महानगरपालिका प्रवेश द्वार पर चिपकाया गया

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा के महापौर चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियाँ तेज हो गई हैं। इसी बीच भाजपा के उम्मीदवार नारायण चौधरी ने कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) के सेक्युलर फ्रंट के साथ जाने का निर्णय सार्वजनिक रूप से घोषित किया। इसके बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर भिवंडी मनपा में कांग्रेस के गटनेता तारिक मोमीन ने पार्टी व्हिप (पक्षादेश) जारी किया। इस व्हिप में महापौर पद के लिए नारायण चौधरी तथा उपमहापौर पद के लिए तारिक मोमीन को मतदान करने के निर्देश सभी कांग्रेस नगरसेवकों को दिए गए हैं। आमतौर पर पार्टी व्हिप संबंधित नगरसेवकों को व्यक्तिगत रूप से सौंपा जाता है। लेकिन इस मामले में कांग्रेस का व्हिप सीधे भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर स्थित पिलर पर चिपकाया गया, जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है। कांग्रेस पार्टी अब तक अपने सभी 30 नगरसेवकों के एकजुट होने का दावा करती रही है। लेकिन पार्टी व्हिप को इस तरह सार्वजनिक स्थान पर चिपकाए जाने से यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या कांग्रेस वास्तव में एकजुट है या अंदरूनी मतभेद सामने आ रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) से जुड़ी राजनीतिक हलचलों को और अधिक दिलचस्प बना दिया है।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती पर स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

◆प्लास्टिक मुक्त, दुगंधी मुक्त व स्वच्छ सुंदर पालघर के लिए व्यापक जन आंदोलन का संकल्प

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में गुरुवार 19 फरवरी 2026 को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर ह्न स्वच्छता पखवाड़ा ह्न का उत्साहपूर्वक शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों द्वारा जन जागरूकता रैली निकाली गई, स्वच्छता की सामूहिक शपथ ली गई तथा तहसील कार्यालय परिसर में वास्तविक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने स्वच्छता का संदेश देते हुए नागरिकों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। ₹ प्लास्टिक मुक्त, दुगंधी मुक्त और स्वच्छ सुंदर पालघर ₹ अभियान के तहत 19 फरवरी से 5 मार्च 2026 तक जिलेभर में स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जायेगा। जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड व मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी तहसील प्रशासन को प्रभावी कार्यान्वयन के निर्देश दिए हैं।

ग्राम पंचायत, नगरपालिका, राष्ट्रीय राजमार्ग, एमआयडीसी क्षेत्र, सप्ताहिक बाजार, नदी-नाले, तालाब, समुद्र किनारे आदि स्थानों से प्लास्टिक व अन्य कचरे को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जायेगा। साथ ही, ग्राम पंचायत क्षेत्र में कचरे के ढेर (लीगेसी वेस्ट साइट्स) व कचरे के ब्लैक स्पॉट पर स्वच्छता करते हुए उसका सौंदर्यीकरण का कार्य किया जायेगा। जिले में प्लास्टिक निर्माण, विक्री, वितरण व उपयोग पर कड़ी रोक लगाई जायेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जायेगी। इस अभियान के मूल्यांकन के लिए विशेष प्रश्नावली तैयार की गई है, और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं संस्थाओं का सम्मान किया जायेगा। इस दौरान सभी ने कहा कि कचरा प्रबंधन के लिए हम सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और एक स्वच्छ, सुंदर पालघर का निर्माण करना चाहिए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख, पालघर के तहसीलदार रमेश शेडगे, प्रकल्प संचालक (जि.प. स्वच्छ मिशन) अतुल पारसकर सहित अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

शिवजन्म से शिवराज्याभिषेक का नाट्यमय मंचन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विक्रोली की विद्या विकास शिक्षण संस्था तथा घाटकोपर की स्वामी शामानंद एज्युकेशन सोसायटी में शिवजयंती उत्सव बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बाबासाहेब आंबेडकर विद्यालय के कक्षा पाँचवीं से नवीं तक के विद्यार्थियों ने ह्यशिवजन्म से शिवराज्याभिषेकह्व तक संपूर्ण शिवचरित्र का नाट्यमय मंचन प्रस्तुत किया।

विद्यार्थियों के प्रभावशाली अभिनय और ऐतिहासिक प्रसंगों की जीवंत प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज के पराक्रम, दूरदर्शिता और स्वराज्य स्थापना के प्रेरणादायी कार्यों का प्रभावी चित्रण किया गया। संस्था के सचिव डॉ. विनय राऊत एवं ट्रस्टी मंडल की संकल्पना से इस उत्सव का आयोजन किया गया। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक विरासत को संजोने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सराहनीय प्रयास किया।

इसी प्रकार विकास महाविद्यालय में भी स्वराज्य के शिल्पकार छत्रपति शिवाजी महाराज को विनम्र अभिवादन किया गया। संस्था की प्रतिनिधि डॉ. मेघा परब ने शिवचरित्र की कालातीत प्रेरणा पर प्रभावी विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को स्वाभिमान, साहस और राष्ट्रनिष्ठा का संदेश दिया।

ग्रंथपाल उदय कुलकर्णी ने राष्ट्रप्रेम और सामाजिक एकता के महत्व को रेखांकित किया, जबकि मामलेकर द्वारा प्रस्तुत शिवआरती ने वातावरण को भक्तिमय और देशभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया।

भिवंडी के अशोकनगर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का भव्य अनावरण

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के पावन अवसर पर भिवंडी के अशोकनगर परिसर स्थित बिल्डिंग नंबर 15-बी की सोसायटी में उनकी प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। कार्यक्रम में सोसायटी के चेयरमैन डा. शरद जाधव एवं डा. सई जाधव के कर-कमलों से प्रतिमा का अनावरण हुआ। इस अवसर पर सोसायटी के पदाधिकारी, सदस्यगण और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रतिमा स्थापना के पीछे की भावना पर प्रकाश डालते हुए डा. जाधव ने बताया कि पहले बिल्डिंग की डक्ट में कचरा फेंके जाने से गंदगी फैलती थी। स्वच्छता और सकारात्मक वातावरण को ध्यान में रखते हुए सोसायटी ने सर्व सम्मति से डक्ट को बंद कर भूमितल पर एक छोटा मंदिर निर्मित किया। उसी स्थान पर हिंदू हृदय सम्राट, धर्मरक्षक, अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष करने वाले पराक्रमी योद्धा और मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित की गई। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य न केवल परिसर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाना है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को शिवाजी महाराज के शौर्य, न्यायप्रियता, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति के आदर्शों से प्रेरित करना भी है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह ने महाराज के जयघोष के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की और सामाजिक एकता व स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

समारोह का समापन प्रसाद वितरण और आपसी सद्भावना के संदेश के साथ किया गया।

सेन्ट जॉन कॉलेज, पालघर में तीन दिवसीय अंतरिक्ष विज्ञान महोत्सव आयोजित

विक्रम साराभाई स्पेस प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सेंट जॉन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट,पालघर द्वारा 17 से 19 फरवरी 2026 तक विक्रम साराभाई स्पेस प्रदर्शनी एवं ह्लस्पेस ऑन व्हील्सह्व का आयोजन किया गया। मुंबई विश्वविद्यालय से सम्बन्धित तथा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) से मान्यता प्राप्त यह स्वायत्त संस्थान अपने वेवूर, मनोर रोड,पालघर स्थित परिसर में यह अनोखी जानकारी वाली तीन दिवसीय प्रदर्शनी आयोजित किया गया।

यह प्रदर्शनी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशन्स सेंटर के सहयोग से आयोजित की गई। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों में अंतरिक्ष विज्ञान तथा आधुनिक तकनीक के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाना रहा । कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण ह्लस्पेस ऑन व्हील्सह्व नामक मोबाइल अंतरिक्ष प्रदर्शनी यूनिट रही, जिसमें भारत के अंतरिक्ष मिशन, उपग्रह तकनीक और प्रक्षेपण यानों से जुड़ी जानकारी आकर्षक मॉडल, पैनल और ऑडियो-विजुअल के माध्यम से प्रस्तुत की गई। इससे आगंतुकों को ज्ञानवर्धक और सहभागितापूर्ण अनुभव मिला। प्रदर्शनी में अंतरिक्ष मिशनों, उपग्रह प्रणालियों और रॉकेट तकनीक पर आधारित इंटरैक्टिव मॉडल और शैक्षणिक प्रदर्शन लगाये गये, जिनके माध्यम से भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों को सरल और रोचक ढंग से समझाया गया। तीन दिनों में पालघर जिले के साथ-साथ वाडा, मनोर, मुंबई, नाशिक और आसपास के क्षेत्रों से 10,000 से अधिक आगंतुक शामिल हुए। जिसमें 17 फरवरी को लगभग 3,800 लोग ,18 फरवरी को करीब 4,100 तथा 19 फरवरी को लगभग 2,500 से अधिक लोगों प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने हेतु विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों को विशेष आमंत्रण भेजा गया था। वहीं दिव्यांग एवं दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के संस्थानों को भी आमंत्रित किया गया था ताकि सभी को समान जानकारी का अवसर मिल सके। आयोजकों के अनुसार, इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना तथा उन्हें विज्ञान, इंजीनियरिंग और तकनीकी और प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए प्रेरित करना था।सेन्ट जॉन कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग एन्ड मैनेजमेंट का मानना है कि ऐसे शैक्षणिक उपक्रम अनुभव आधारित शिक्षा और सामाजिक दायित्व को बढ़ावा देते हैं तथा यह प्रदर्शनी पालघर क्षेत्र के प्रमुख शैक्षणिक कार्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ साबित हुई। इस आयोजन में सेंट जॉन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एन्ड मैनेजमेंट पालघर में स्पेस एप्लीकेशन्स सेंटर, इस्रो,अहमदाबाद के तकनीकी सलाहकार डॉक्टर एस.पी.व्यास,सेंट जॉन टेक्नीकल एन्ड एज्युकेशनल कॅम्पस,पालघर के चेयरमैन अल्बर्ट डिसोजा, ट्रेनिंग एन्ड प्लेसमेंट ऑफिसर (एसजेसीईएम) रोमेरो डिसोजा,मेलरॉय क्रेस्टा(एम बी ए), प्रधानाचार्य डॉक्टर कमल शाह,श्रीमती एल्वीना डिसोजा (विश्वस्त सदस्या),डॉक्टर सविता टॉरो, कैम्पस एकादमी डायरेक्टर , अशोक मेटी तथा हीरालाल पटेल आदि शामिल रहे।

भाजपा में दो गुट पड़ने से उम्मीदवार भागा, इसका ठीकरा शिवसेना पर क्यों?-शिवसेना गटनेता मनोज काटेकर का सवाल

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगरपालिका के महापौर पद का चुनाव अब एक नए मोड़ पर आकर ठहर गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण द्वारा महापौर पद के उम्मीदवार घोषित किए गए नारायण चौधरी ने यह आरोप लगाते हुए कि भाजपा के एक गुट और शिवसेना ने सहयोग नहीं किया जिससे कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) के सेक्युलर फ्रंट के साथ जाने का चौंकाने वाला फैसला लिया है। नारायण चौधरी के इन आरोपों का शिवसेना गटनेता मनोज काटेकर ने कड़ा खंडन किया है। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा में दो गुट पड़ने के कारण उनका उम्मीदवार अलग राह पर चला गया, तो इसका दोष शिवसेना पर क्यों डाला जा रहा है? मनोज काटेकर ने कहा कि भाजपा के 22 और शिवसेना के 12, कुल 34 नगरसेवकों की एक संयुक्त बैठक हुई थी, जिसमें सभी ने मिलकर कैंप लगाने का निर्णय लिया था। लेकिन बाद में भाजपा के भीतर ही दो गुट बन गए जिसके चलते एक गुट भाजपा के कैंप में गया ही नहीं। इसके बाद शिवसेना के सभी नगरसेवक भिवंडी में ही एकजुट रहे और तीन दिन पहले लगाए गए शिवसेना के कैंप में सभी नगरसेवक मौजूद थे। उन्होंने बताया कि वे लगातार भाजपा गटनेता संतोष शेट्टी के संपर्क में थे, लेकिन भाजपा के नगरसेवक एकजुट नहीं हो सके। ऐसे में भाजपा के आंतरिक मतभेदों का दोष शिवसेना पर डालना पूरी तरह गलत है। मनोज काटेकर ने यह भी कहा कि भाजपा के एक नगरसेवक द्वारा सेक्युलर फ्रंट के साथ जाने का निर्णय भिवंडी शहर के विकास के लिए बाधक है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

आजमगढ़ में अवैध असलहा फैक्ट्री का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

छापेमारी में भारी मात्रा में निर्मित व अर्धनिर्मित तमंचे और उपकरण बरामद, दो फरार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना अतरौलिया क्षेत्र में पुलिस ने गुरुवार तड़के बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध असलहा

फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन व क्षेत्राधिकारी बूढ़नपुर कौस्तुभ त्रिपाठी के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम भवानीपुर के एक छप्पर के अंदर अवैध तमंचों का निर्माण किया जा रहा है। सूचना पर उ0नि0 मायापति पाण्डेय व उ0नि0 उमेश चन्द मय हमराह मौके पर पहुंचे और दबिश दी। पुलिस को देखकर दो आरोपी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए, जबकि एक आरोपी को समय लगभग 03:35 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। मौके से एक तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस .315 बोर, एक तमंचा .303 बोर, दो अर्द्धनिर्मित तमंचे तथा तमंचा बनाने की फैक्ट्री सहित उपकरण (ग्लैण्डर मशीन, आरी ब्लेड, रेती, छैनी, हथौड़ा, लोहे की पाइप आदि) बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विन्ध्यांचल (55 वर्ष) पुत्र स्व. राधिका निवासी ग्राम देवलर थाना राजेसुल्तानपुर जनपद अम्बेडकरनगर के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने साथियों विरजा निवासी सहदेवगंज थाना महाराजगंज तथा अंगद सिंह निवासी भवानीपुर थाना अतरौलिया के साथ मिलकर अवैध तमंचों का निर्माण करता था। तैयार तमंचों को कारतूस सहित बेचकर आर्थिक लाभ कमाया जाता था। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन कर दिया गया है।

इस मामले में थाना अतरौलिया पर मु0अ0सं0 65/26 धारा 3/5/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। जनपद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध शस्त्र निर्माण एवं तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस कार्यालय में एसएसपी की जनसुनवाई, फरियादियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ एवं जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

जौनपुर, कुँवर अनुपम सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी शिकायतें एवं समस्याएं प्रस्तुत कीं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रार्थना पत्र को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, मारपीट, पारिवारिक विवाद तथा अन्य आपराधिक प्रकरणों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। सभी मामलों में संबंधित थाना प्रभारियों को त्वरित एवं प्रभावी विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। एसएसपी ने कहा कि जनसुनवाई व्यवस्था जनता और पुलिस के बीच विश्वास मजबूत करने का सशक्त माध्यम है तथा शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ही पुलिस की कार्यशैली का आधार है।

जोगियापुर मोहल्ले में विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बुधवार रात्रि शहर कोतवाली क्षेत्र के जोगियापुर मोहल्ले में करकट पड़े कमरे में कपड़े के सहारे गले में फांसी का फंदा लगी विवाहिता की संदिग्ध हालत में लाश मिलने से परिजनों में हड़कंप मच गया। सूत्रों के मुताबिक उक्त मोहल्ला निवासी संजू देवी उम्र लगभग 34 वर्ष पत्नी सुनील निषाद बुधवार की रात अपने पांच बच्चों को साथ लेकर घर के दूसरे तल पर बने करकट के कमरे में सोने के लिए चली गई। लगभग रात्रि 3:00 बजे मिर्च का की साथ माह की बच्ची मानसी काफी देर से रो रही थी तभी बड़ी बच्ची सोनम उम्र लगभग 13 वर्ष जग गई और उसने देखा कि उसकी मां दुपट्टा के कपड़े के सहारे फांसी का फंदा लगी गले में झूल रही है। यह देख वह आवाज रहते हुए जोर-जोर से शोर मचाने लगी आवाज सुनकर सुनील ने ऊपर जाकर देखकर वह भी हैरान रह गया। तभी उसने ससुराल वालों को फोन से घटना की सूचना दिया तो संजू के मायके वाले की पहुंच गए। और पुलिस को सूचना दी गई पुलिस ने लास्ट को कब्जे में लेकर पंचनामा पर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अमेरिका के बारे में बताया गया कि वह एक निजी स्कूलों में दाई का काम करती थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि अक्सर पति-पत्नी में विवाद होता रहता था। कई बार मामला कोतवाली भी जा चुका है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने के साथ ही आगे की कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

मिली परिजनों में कोहराम नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के जोगियापुर मोहल्ला निवासी संजू देवी 34 वर्ष पत्नी सुनील निषाद बुधवार की रात अपने पांच बच्चों को लेकर रोज की तरह दूसरे तल के करकट के कमरे में सोई थी बच्चे भी थोड़े सोए थे करीब 3:00 बजे रात को 7 माह की बच्ची मानसी काफी देर से रो रही थी बड़ी बच्ची सोनम जिसका उम्र 13 वर्ष है जागे तो देखा बच्ची रो रही है मां गले में फंदा लगा हुआ करकट के पास में गले में ओढ़नी लगाई हुई झूल रही है जोर-जोर से चिल्लाने लगी नीचे सुबह उसका पति सुनील वापस करो उसके लोग सुनील ससुराल वालों को फोन द्वारा सूचना दिया सूचना पर पहुंचे मायके वाले तब तक पुलिस को सूचना हुई पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया महिला एक प्राइवेट स्कूल में दी कि काम करती थी पति मिठाई का काम करता है अक्सर जो है पति-पत्नी में विवाद होता रहता था कई बार थाना कोतवाली भी हो चुकी है। इस संबंध में हल्का चौकी प्रभारी का राहुल रंजन ने बताया कि माइका पक्ष से कोई तहरीर नहीं मिली है। यह जरूर बताया गया है कि पति पत्नी के बीच शराब पीने को लेकर अक्सर विवाद हुआ करता था।

नगर निगम सदन भवन की आधारशिला रखेंगे पीएम मोदी, 15 महीने में पूरा होगा निर्माण कार्य

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में आने वाले काशी दौरे पर नगर निगम सदन भवन की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों रखने की तैयारी है। इसके लिए नगर निगम ने प्रक्रिया तेज कर दी है। निगम मुख्यालय का स्वरूप अब पूरी तरह बदलने वाला है। सिगरा स्थित मुख्यालय परिसर में जर्जर हो चुके पुराने भवनों को ध्वस्त कर यहां भव्य और हाईटेक नगर निगम सदन भवन का निर्माण किया जाएगा। करीब 97 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस अत्याधुनिक भवन का मॉडल विशेष रूप से काशी और गंगा की थीम पर आधारित है। इसकी बाहरी बनावट शिवलिंग की आकृति जैसी नजर आएगी। वर्तमान में इसे जी-प्लस फोर (चार मंजिला) स्तर पर निर्मित किया जा रहा है, जिसका कुल निर्मित क्षेत्र 21,858.01 वर्ग मीटर है। आवश्यकता पड़ने पर इसे भविष्य में सात मंजिला (जी-प्लस सेवन) तक विस्तार देने का भी विकल्प रखा गया है। इसका निर्माण कार्यदायी संस्था सीएंडडीएस, उप्र जल निगम ने ईपीसी मोड पर 15 माह में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है। इसे दिल्ली की कंपनी की देखरेख में बनाया जाएगा। यह अपनी स्थापत्य कला से काशी की संस्कृति की झलक भी पेश करेगा। भवन के भूतल को इस प्रकार डिजाइन किया

गया है कि आम जनता को एक ही परिसर में सभी बुनियादी सुविधाएं मिल सकें। यहां तीन अलग-अलग प्रभागों में पुलिस चौकी, बैंक, पोस्ट ऑफिस, कैंटीन और जन्म-मृत्यु पंजीकरण कक्ष प्रस्तावित हैं। वहीं प्रथम प्रभाग में रिकार्ड रूम, कैश काउंटर, वॉल्ट रूम, मीटिंग रूम, ग्रीन रूम, जेसीओ रूम, शौचालय, द्वितीय प्रभाग में लिफ्ट, सर्विस एरिया, शौचालय, यूनियन हॉल एवं तृतीय प्रभाग में पुलिस चौकी, बैंक/पोस्ट आफिस, कैंटीन, सर्वर रूम, जन्म/मृत्यु पंजीयन कक्ष, रिकार्ड रूम, टैक्स कलेक्शन रूम आदि प्रस्तावित हैं। इसी तरह पहले तल पर 180 पार्षदों की क्षमता वाला सदन हॉल होगा। भवन के ऊपरी तलों पर विभागों का व्यवस्थित बंटवारा किया गया है। द्वितीय तल पर पार्षदों के लिए विशेष कक्ष और वीवीआईपी रूम होंगे, जबकि चतुर्थ तल पर महापौर, नगर आयुक्त और अपर नगर आयुक्तों के कार्यालय के साथ-साथ एक बड़ा कॉन्फ्रेंस हॉल बनाया जाएगा। तृतीय तल पर मीटिंग रूम और टैक्स विभाग संचालित होंगे।

मंडी समिति के भ्रष्टाचार का मुद्दा रागिनी सोनकर ने विस में उठाया

सवाल मंडी में भ्रष्टाचार पर, जवाब में मंत्री ने गिनाईं उपलब्धियां

छोटे सब्जी व्यसायियों से नए कर हटाने की मांग को प्रमुखता से उठाया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की मंडी में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर सदन में गुरुवार को उस समय तीखी बहस छिड़ गई जब सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने विभागीय भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। उन्होंने मंत्री से सीधे पूछा कि जब मंडी और सड़कों के रखरखाव की जिम्मेदारी विभाग की है, तो करोड़ों रुपये के कथित घोटाले पर अब तक ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई। विधायक ने आरोप लगाया कि 12 लाख रुपये की लागत वाले सड़क कार्य के लिए 3 करोड़ 74 लाख रुपये का भुगतान किया गया, 35 वर्ष पुरानी चारदीवारी को नव निर्माण दर्शाकर भुगतान कराया गया, उपनिदेशक कार्यालय में फॉल्स सीलिंग के नाम पर 40 लाख रुपये खर्च दिखाए गए जबकि वास्तविक कार्य मात्र 2 लाख 84 हजार रुपये तक का पाया गया। इसी प्रकार चिनाई कार्य में 11 लाख के स्थान पर 25 लाख रुपये का भुगतान किए जाने का भी आरोप लगाया गया। उन्होंने कहा कि बार-बार जांच और ब्लैकलिस्टिंग के बावजूद उन्हीं लोगों को दोबारा कार्य दिया जाना गंभीर अनियमितता की ओर संकेत करता है और उन्होंने संबंधित जांच समिति के दस्तावेज सदन की मेज पर रखने की बात कही।

इसके साथ ही उन्होंने छोटे व्यापारियों पर लगाए गए नए कर का

मुद्दा भी उठाया और कहा कि नींबू, अदरक, लहसुन और प्याज जैसे आवश्यक वस्तुओं के व्यापारियों से माल के प्रदेश में प्रवेश करते ही कर वसूला जा रहा है, जबकि पड़ोसी राज्यों में ऐसा प्रावधान नहीं है। उन्होंने प्रश्न किया कि क्या सरकार इस कर को वापस लेने पर विचार करेगी।

मंत्री ने अपने जवाब में विभाग द्वारा कराए गए विकास कार्यों और सड़कों की मरम्मत का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि विपक्षी क्षेत्रों में 283 करोड़ रुपये से कार्य कराए गए हैं तथा भाजपा और एनडीए विधायकों की मांग पर 1200 करोड़ रुपये की सड़कों का निर्माण कराया गया है। इसी तरह उन्होंने अपनी उपलब्धियां की गिनानी शुरू कर दी।

हालांकि, विधायक ने स्पष्ट किया कि उनका मूल प्रश्न विभाग में कथित भ्रष्टाचार और जवाबदेही से जुड़ा है, जबकि मंत्री द्वारा उपलब्धियों का विवरण दिया गया। सदन में इस मुद्दे को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली और मामले की निष्पक्ष जांच तथा पारदर्शी कार्रवाई की मांग जोर पकड़ती रही।

अज्ञात व्यक्ति ने मजदूर को धारदार से मारकर किया जख्मी

खून से लथपथ हालत में घर पहुंचा तो देखकर परिजनों में मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अज्ञात व्यक्ति ने मजदूर को धारदार से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिसका उपचार वाराणसी में चल रहा है। बताया जाता है की मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के सराय सोल ग्राम निवासी हरिश्चंद्र सरोज उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र स्वर्गीय लालजी बुधवार रात्रि लगभग 10:00 बजे मजदूरी कर के घर आ रहा था। इसी दौरान कि सुजानगंज चौराहे से गुजरते समय उसे एक नकाब पोश अज्ञात ने धारदार से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और जब तक हरीशचंद्र उसका चेहरा देख पाता वह मौके से फरार हो गया। किसी तरह हरीशचंद्र खून से लथपथ हालत में घर तक पहुंचा तो उसे देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने 108 नंबर एंबुलेंस कर्मचारी के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया यहां पर चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार करने के पश्चात हालत में सुधार न होने के कारण गुरुवार सुबह जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। यहां से भी चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए वाराणसी बीएचयू के लिए भेज दिया।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के हुसैनाबाद मोहल्ले में रहने वाले वीरेंद्र प्रताप अस्थाना की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जाता है कि मूल रूप से बदलापुर निवासी वीरेंद्र प्रताप अस्थाना उम्र 75 वर्ष, वर्तमान में नगर के हुसैनाबाद मोहल्ले में रह रहे थे। बुधवार की शाम करीब सात बजे वे किसी कार्य से लाइन बाजार थाना क्षेत्र के वाजिदपुर पेट्रोल पंप के सामने से गुजर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों की मदद से उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने वाराणसी स्थित बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर रात में वाराणसी पहुंचे, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद रात करीब डेढ़ बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मोहल्ले के लोग भी स्तब्ध हैं और घटना को लेकर गहरा शोक व्यक्त कर रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद बाइक सवार की तलाश की जा रही है।

सरगुजा पुलिस ने चोरी के मामले में 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

एस.के.द्विवेदी

सरगुजा/अम्बिकापुर,छत्तीसगढ़ (उत्तरशक्ति)। सरगुजा पुलिस ने सूने मकान से चोरी के मामले में 04 आरोपियों को किया गिरफ्तार। आरोपियों में तीन युवक और एक जेवर दुकान संचालक शामिल। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के गहने समेत 1 लाख 30 हजार का मशरुका बरामद किया। आरोपियों ने चोरी कर गहनों को दुकान संचालक को बेचने की बात स्वीकार की। थाना गांधीनगर पुलिस ने बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा।

शिवपुर के गनेशपुर से देर रात ट्रैक्टर चोरी, पीड़ित ने दी पुलिस को सूचना

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के शिवपुर थाना क्षेत्र के गणेशपुर गांव में घर के बाहर सड़क किनारे खड़ी एक ट्रैक्टर अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई। घटना देर रात करीब 1:30 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित विनय यादव ने ट्रैक्टर चोरी की सूचना तत्काल डायल 112 पर दी। इसके साथ ही उन्होंने शिवपुर थाने में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

साइबर ठगी पर खुटहन पुलिस की बड़ी सफलता, पीड़ित के 99280 रुपये वापस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत थाना खुटहन पुलिस टीम ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करते हुए फ्रॉड का शिकार हुए एक व्यक्ति की संपूर्ण रू.99,280/- धनराशि वापस कराई। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से आवेदक दिनेश कुमार गुप्ता पुत्र स्व. रामजीत गुप्ता, निवासी ग्राम खुटहन बाजार, थाना खुटहन, जनपद जौनपुर द्वारा रू.99,280/- की ऑनलाइन ठगी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत मिलते ही थानाध्यक्ष

श्री रामाश्रय राय के नेतृत्व में साइबर टीम ने तत्परता दिखाते हुए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संबंधित बैंकिंग चैनलों से संपर्क कर पूरी धनराशि को होल्ड कराया।

लगातार प्रयासों एवं विधिक प्रक्रिया के अनुपालन के पश्चात माननीय न्यायालय के आदेश से होल्ड की गई संपूर्ण राशि रू.99,280/- आवेदक के खाते में वापस करा दी गई। पीड़ित ने धनराशि प्राप्त होने पर पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

इस सराहनीय कार्यवाही में थानाध्यक्ष रामाश्रय राय, उ0नि0 प्रेम शंकर सिंह, का0 आशीष यादव, का0 संजय चौरसिया एवं म0का0 श्वेता सिंह शामिल रहे।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन या एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते धनराशि सुरक्षित कराई जा सके।

जागरूकता के साथ सुरक्षित नसबंदीः सीएचसी में विशेषज्ञों ने किए सफल ऑपरेशन

विशेषज्ञ सर्जनों ने जागरूकता के साथ सुरक्षित प्रक्रिया कर महिलाओं को सरकारी लाभ से जोड़ा

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गुरुवार को स्थानीय सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित निःशुल्क नसबंदी शिविर में कुल नौ महिलाओं ने पंजीकरण कराया। शिविर में लैप्रोस्कोपिक पद्धति से सुरक्षित नसबंदी ऑपरेशन किए गए। शिविर में सर्जन डॉ. अभिषेक रावत एवं डॉ. आशीष यादव ने संयुक्त रूप से महिलाओं की जांच कर उनकी सहमति के आधार पर सफल नसबंदी ऑपरेशन किए। इस दौरान चिकित्सा टीम ने महिलाओं को परिवार नियोजन, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा सरकारी योजनाओं के लाभों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

चिकित्सकों ने बताया कि इस प्रकार के शिविरों का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित और जागरूक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि वे परिवार नियोजन से जुड़े निर्णय सोच-समझकर ले सकें और सरकारी सहायता का लाभ उठा सकें। इस सम्बंध में लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. अभिषेक रावत ने बताया कि शिविर में नौ महिलाओं का उनकी पूर्ण सहमति से नसबंदी ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी लाभार्थियों को सरकार द्वारा निर्धारित योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

सड़क सुरक्षा पर सख्तीः 'जीरो फेटलिटी डिस्ट्रिक्ट' लक्ष्य को लेकर जौनपुर में अहम बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद को Zero Fatality District (ZFD) बनाने की दिशा में यातायात पुलिस ने गुरुवार को बड़ी पहल करते हुए संबंधित विभागों के साथ एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की। बैठक में परिवहन विभाग, एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

बैठक का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और संभावित दुर्घटना स्थलों को चिन्हित कर त्वरित सुधारात्मक कार्य सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान जनपद के चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर विशेष फोकस करते हुए उनके सुधार, आवश्यक साइन बोर्ड और चेतावनी संकेतकों की सुदृढ़ व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए

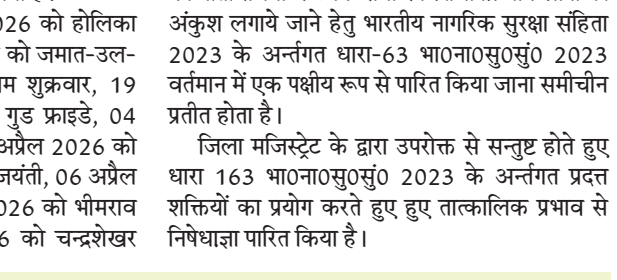

कि सड़क मरम्मत कार्यों में तेजी लाई जाए और जहां भी संकेतक, रिफ्लेक्टर या बैरिकेडिंग की कमी है, उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। साथ ही, दुर्घटना की स्थिति में त्वरित और प्रभावी चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग को आपातकालीन व्यवस्थाओं को और मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि निदेशालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और समयबद्ध प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर विशेष बल दिया गया।

यातायात पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जनपद में सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है और 'जीरो फेटलिटी डिस्ट्रिक्ट' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

पंचायत मतदाता सूची का वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित, 15 अप्रैल को अंतिम प्रकाशन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) डॉ0 दिनेश चन्द्र ने अवगत कराया है कि राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा 19 फरवरी 2026 की संशोधित अधिसूचना जारी कर त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का संशोधित कार्यक्रम घोषित किया गया है।

जारी समय-सारिणी के अनुसार 07 जनवरी 2026 से 16 मार्च 2026 तक दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत हस्तलिखित पाण्डुलिपियां तैयार कर सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारी कार्यालय में जमा की जाएंगी। साथ ही संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन एवं निस्तारण की कार्यवाही भी इसी अवधि में की जाएगी।

21 फरवरी 2026 से 16 मार्च 2026 तक दावे-आपत्तियों के निस्तारण के बाद पूरक सूचियों का कम्प्यूटरीकरण एवं उन्हें मूल सूची में समाहित करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आवश्यकतानुसार मतदान केन्द्रों/स्थलों के निर्धारण की कार्यवाही भी की जाएगी।

17 मार्च 2026 से 13 अप्रैल 2026 तक मतदाता सूचियों के कम्प्यूटरीकरण उपरांत मतदान केन्द्रों का क्रमांकन, वार्ड मैपिंग, मतदाता क्रमांकन, एसवीएन आवंटन एवं सूची की फोटो प्रतियां तैयार की जाएंगी।

15 अप्रैल 2026 को निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। पुनरीक्षण अवधि में सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी संबंधित कार्यालय खुले रहेंगे तथा कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा।

परीक्षा केन्द्रों एवं संकलन केन्द्र के आस पास धारा-144 लागू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला मजिस्ट्रेट ने अवगत कराया है कि शासन के द्वारा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा संचालित वर्ष 2026 की हाई स्कूल एवं इण्टर मीडिएट की परीक्षा के दृष्टिगत परीक्षा केन्द्र एवं संकलन केन्द्र के आसपास 100 मीटर की परिधि में बीएनएस की धारा-189/सीआरपीसी की धारा-144 लागू करने की अपेक्षा की गयी है।

उक्त के आसन्न पर्व 02 मार्च 2026 को होलिका दहन, 03/4 मार्च को होली, 13 मार्च को जमात-उल-विदा (अलविदा) रमजान का अन्तिम शुक्रवार, 19 मार्च को महावीर जयंती, 03 अप्रैल गुड फ्राइडे, 04 अप्रैल 2026 को ईस्टर सटरडे, 05 अप्रैल 2026 को महर्षि कश्यप एवं महाराजा निषादराज जयंती, 06 अप्रैल 2026 को ईस्टर मन्डे, 14 अप्रैल 2026 को भीमराव अम्बेडकर जयंती, 17 अप्रैल 2026 को चन्द्रशेखर आजाद जयंती एवं 19 अप्रैल 2026 को महर्षि परशुराम जयंती का पर्व मनाया जाएगा।

उक्त के दृष्टिगत जनपद में आयोजित होने वाली परीक्षाओं तथा पर्वों को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु शान्ति, सुरक्षा, एवं कानून व्यवस्था बनाये रखना आवश्यक है। साथ ही असामाजिक एवं अवांछनीय तत्वों की गतिविधियों व उनके समाज विरोधी क्रियाकलापों पर अंकुश लगाये जाने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के अर्न्तगत धारा-63 भा0ना0सु0सुं0 2023 वर्तमान में एक पक्षीय रूप से पारित किया जाना समीचीन प्रतीत होता है।

जिला मजिस्ट्रेट के द्वारा उपरोक्त से सन्तुष्ट होते हुए धारा 163 भा0ना0सु0सुं0 2023 के अर्न्तगत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हुए तात्कालिक प्रभाव से निषेधाज्ञा पारित किया है।

डॉ.कुमावत बने चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष

झुंझुनूं। राजस्थान कुम्हार कुमावत महासभा (रजि.)ने झुंझुनूं जिले का चिकित्सा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष डॉ.राजेंद्र कुमावत चिराना को नियुक्त किया है। डॉ कुमावत की नियुक्ति प्रदेश की कार्यकारिणी द्वारा उनकी कर्तव्य निष्ठा एवं आपके द्वारा की गई समाज सेवा को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से इस पद हेतु नियुक्त कर अध्यक्ष पद पर नवाजा है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ.आर.सी.कुमावत द्वारा दी गई इस नियुक्ति को अंगीकार करते हुए डॉ कुमावत को मिली जिम्मेदारी को अच्छे से निर्वाहन करेंगे और जिला कार्यकारिणी का विस्तार कर कई प्रकोष्ठ का गठन भी किया जाएगा यह जानकारी नव नियुक्त डॉ कुमावत ने दी है।

ओए मोमो फूड टेम्पो का उद्घाटन

मुंबई। बुधवार को ओए मोमो फूड टेम्पो का भव्य उद्घाटन साहिल समीर अली एवं प्रीतपाल सिंह द्वारा किया गया। यह उद्घाटन समारोह सहारा होटल के सामने, एल.बी.एस मार्ग, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई में बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।कार्यक्रम में उपस्थित सभी मेहमानों ने साहिल समीर अली जी और प्रीतपाल सिंह जी को शुभकामनाएं एवं मुबारकबाद दी। सभी ने दुआ की कि ओए मोमो फूड टेम्पो दिन-प्रतिदिन तरक्की और कामयाबी की नई ऊंचाइयों को छुए तथा अपने सभी ग्राहकों को बेहतरीन सुविधा और स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध कराता रहे। इस भव्य उद्घाटन समारोह में समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), अब्दुल करीम शेख (गुड्डू भाई), सौ. श्रद्धा, जय हिंद कुमार प्रजापति, मो. कलीम शायर, जसपाल सिंह तथा वॉर्ड क्र. 166 की नगरसेविका मीनल ताई संजय तुर्डे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर आयोजकों को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह आयोजन स्थानीय क्षेत्र में उत्साह का केंद्र रहा और बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

रवि किशन, तेजस्वी प्रकाश और अनुद सिंह ढाका एमेजॅन एमएक्स प्लेयर की ट्विस्ट से भरी रोमांस थ्रिलर साइको सैयां में मुख्य भूमिका में

मुंबई। भारत की अग्रणी मुफ्त, प्रीमियम और विज्ञापन-समर्थित वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा एमेजॅन एमएक्स प्लेयर ने आज अपनी आगामी रोमांस थ्रिलर सीरीज साइको सैयाँ का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया। यह कोई सामान्य प्रेम कहानी नहीं है। जो कहानी एक बड़े, फिल्मी रोमांस की तरह शुरू होती है, वह धीरे-धीरे अपने गहरे और डरावने रूप को दिखाती है, जहाँ प्यार जुनून में बदलने लगता है और चाहत घुटन पैदा करने लगती है। इस सीरीज में रवि किशन, तेजस्वी प्रकाश और अनुद सिंह ढाका मुख्य भूमिकाओं में हैं। साथ ही, सृष्टि श्रीवास्तव, सुरभि चांदना, वरुण भगत, अश्विनी कालसेकर और यशपाल शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। ट्रेलर में कार्तिक का परिचय कराया गया है, जो उज्जैन का एक शायरी पसंद करने वाला युवक है। उसे लगता है कि उसे आखिरकार वह लड़की मिल गई है, जो उसकी दुनिया को पूरा कर देगी, चारू। उसके लिए प्यार कोई साधारण भावना नहीं है, बल्कि एक बड़ी, गहरी और हर जोखिम उठाने वाली भावना है। लेकिन इस तीव्रता की अपनी कीमत होती है। जैसे-जैसे कार्तिक की भावनाएँ गहरी होती जाती हैं, वैसे-वैसे उसे थामे रखने की चाह भी बढ़ती जाती है। वह उसके पीछे अलग-अलग शहरों तक जाता है, अधिकारों का विरोध करता है और जो भी उसके रास्ते में आता है, उससे टकरा जाता है। जिसे वह प्यार कहता है, वह धीरे-धीरे खतरनाक रूप से कब्जे और अधिकार जताने जैसा दिखने लगता है। उज्जैन, कटनी और जॉर्जिया की पृष्ठभूमि पर आधारित यह ट्रेलर तीखे टकराव, बढ़ती आपराधिक ताकत, भावनात्मक हेरफेर और लगातार कमजोर पड़ते रिश्तों की झलक दिखाता है। रवि किशन अपने प्रभावशाली अभिनय से हर दृश्य में छा जाते हैं और हर मोड़ पर शक्ति का संतुलन बदलते नजर आते हैं, जिससे कहानी और भी गंभीर और भयावह हो जाती है। ट्रेलर खत्म होने के बाद भी एक सवाल लंबे समय तक मन में बना रहता है – प्यार आखिर कब नियंत्रण की सीमा पार कर जाता है?

एमेजॅन एमएक्स प्लेयर के कंटेंट प्रमुख अमोघ दुसाद ने कहा, ह्लएमेजॅन एमएक्स प्लेयर पर हमारा लगातार प्रयास रहता है कि हम ऐसी कहानियाँ लेकर आएँ जो सिर्फ मनोरंजक ही नहीं, बल्कि भावनाओं का एक अलग और खास मिश्रण भी पेश करें। साइको सैयाँ एक पारंपरिक रोमांस की खूबसूरती से शुरू होती है, जिसे दर्शक पसंद करते हैं, लेकिन जल्दी ही यह एक गहरी मनोवैज्ञानिक कहानी में बदल जाती है। यह सीरीज हमारे उस बड़े दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसमें हम देशभर के विविध दर्शकों के लिए प्रभावशाली और भावनात्मक रूप से जुड़ी कहानियाँ पेश करना चाहते हैं।

दुद्धी बार एसोसिएशन का चुनाव सम्पन्न,अध्यक्ष बने कुलभुषण पाण्डेय, सचिव बने दिनेश कुमार

सुशील कुमार तिवारी

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी बार एसोसिएशन का चुनाव काटे टक्कर के बीच सम्पन्न हो गये। चुनाव अधिकारी प्रेम चंद जायसवाल ने बताया की अध्यक्ष पद के लिए कुलभूषण पाण्डेय को 85 मत पाकर विजयी घोषित किए गये। वहीं रामपाल जौहरी को 84 मत मिला तथा दिनेश कुमार को सचिव पद के लिए 88 मत पाकर विजयी घोषित हो गये। कुल 171 अधिवक्ताओ ने मतदान किया समर्थको ने विजयी प्रत्यासियो को फूल मालाओ सें लाद दिया विजयी प्रत्यासियो का जलूस कोर्ट परिसर के भ्रमण के बाद मुख्य बाजार मे भ्रमण किया गया। मिठाई खिला कर बधाई दी गई । इस अवसर पर दिलीप पाण्डेय, छोटे लाल जितेन्द्र श्री वास्तव, मनोज मिश्रा, विष्णु सिंह, प्रेम चंद यादव, उपेन्द्र कुमार तिवारी सहित भारी संख्या मे अधिवक्ता रहें।

सारनाथ थाना क्षेत्र के कोटवा गांव में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद सारनाथ थाना क्षेत्र के कोटवा गांव में युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली मृतक की पहचान आकाश कश्यप के रूप में हुई है। इस हृदयविदारक घटना से गांव में सनसनी फैल गई। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया सूचना मिलते ही सारनाथ थाना पुलिस मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया आकाश के आत्महत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आस पास के लोगों और परिजनों से पूछताछ कर आवश्यक जानकारी जुट गई क्षेत्र में इस घटना को लेकर शोक और चिंता का माहौल है।

अपोलो की नई पहल : जीनोमिक्स से होगा कैंसर का सटीक इलाज शुरू हुआ 'प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी क्लिनिक'

नवी मुंबई। अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई ने आज अपने प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी क्लिनिक के शुभारंभ की घोषणा की। यह अपनी तरह का पहला प्रोग्राम है जिसे मरीज के जीनोमिक प्रोफाइल, बायोमार्कर सबटाइप, उम्र, कोमॉर्बिडिटी, जीवनशैली से जुड़े पहलू और व्यक्तिगत इलाज के लक्ष्यों के आधार पर गहराई से व्यक्ति आधारित कैंसर उपचार देने के लिए रचा गया है। ऐसे समय में जब एक ही कैंसर अलग-अलग मरीजों में बिल्कुल अलग-अलग तरह से काम कर सकता है, तो पारंपरिक वन-साइज-फिट्स-ऑल (सबके लिए एक ही पैमाना) वाला तरीका अब काफी नहीं है। प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी डॉक्टरों को सबसे असरदार दवा की पहचान करने, इलाज से जुड़ी विषाक्तता का अंदाजा लगाने और दुष्प्रभावों को कम करते हुए असर को अधिकतम करने के लिए थेरेपी को ढालने में मदद करता है। सका उद्देश्य कैंसर उपचार के मानकों को फिर से परिभाषित करना और मरीजों के लिए ज्यादा अनुमान लगाने योग्य, सुरक्षित, परिणाम पर केंद्रित थेरेपी देना है। डॉ.ज्योति बाजपेयी लीड कंसल्टेंट, मेडिकल एंड प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी, अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई ने कहा,जीनोमिक्स हमें न सिर्फ. यह बताता है कि मरीज को कौन सा कैंसर है, जैसे ब्रेस्ट कैंसर, बल्कि जेनेटिक्स के आधार पर टाइप और सबटाइप भी बताता है। ब्रेस्ट कैंसर ल्यूमिनल ए, ल्यूमिनल बी, ट्रिपल-नेगेटिव, या एचईआर2 टाइप का हो सकता है, हर टाइप की तीव्रता अलग होती है और यह थेरेपी पर अलग तरह से प्रतिक्रिया करता है। प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी क्लिनिक हमें इस ज्यादा सटीक निदान तक पहुँचने और मरीज का ज्यादा वैयक्तिक उपचार रणनीति से इलाज करने में मदद करता है। हम उस कैंसर टाइप के लिए सबसे असरदार दवा चुन सकते हैं, सही मरीज के लिए सही डोज में, और जटिलताएँ होने से पहले ही उनका अंदाजा भी लगा सकते हैं। यह अब ऑन्कोलॉजी का भविष्य नहीं है; यह आज की ऑन्कोलॉजी है।

अपोलो हॉस्पिटल्स के वेस्टर्न रीजन के रीजनल सीईओ, श्री अरुणेश पुनेथा ने बताया,प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी हमें वन-साइज-फिट्स-ऑल (सबके लिए एक ही पैमानेवाला) नजरिए से आगे बढ़ने में मदद करती है, यह पक्का करती है कि हर मरीज को उसकी बीमारी, बायोलॉजी, उम्र, लिंग, व्यवसाय, पसंदगी और ज़िंदगी के हालात के हिसाब से देखभाल मिले।

अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई में प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी क्लिनिक, एडवांस्ड मॉलिक्यूलर साइंस, क्लिनिकल एक्सपर्टीज और मरीज केंद्रित नजरिए के साथ जीनोमिक्स-प्रेरित कैंसर उपचार देता है। मरीजों को व्यावहारिक म्यूटेशन और पाथवे चेंजेज का पता लगाने के लिए नई पीढ़ी की सीक्वेंसिंग सहित कॉम्प्रिहेंसिव जीनोमिक प्रोफाइलिंग मिलती है। थेराप्यूटिक रणनीतियाँ असर को अधिकतम करने और दुष्प्रभावों को न्यूनतम करने के लिए टारगेटेड एजेंट्स और प्रिसिजन दवाओं का उपयोग करती हैं। सभी मामलों की समीक्षा एक मल्टीडिसिप्लिनरी ट्यूमर बोर्ड करता है, जिसमें ऑन्कोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट, जेनेटिक काउंसलर, रेडियोलॉजिस्ट और सपोर्ट स्पेशलिस्ट शामिल हैं, जिससे प्रमाण आधारित, एकमत से प्रेरित फैसले पक्के होते हैं।

वसई में नौ दिवसीय मानस महाकुंभ की पूर्व संध्या पर निकलेगी भव्य कलश यात्रा

-लाल शेखर सिंह

वसई (उत्तरशक्ति)। आओ गायें रामकथा घर घर मेंर की देश विदेश तक अलख जगाने वाले, मानस के सिद्ध साधक, व्यवहार घाट के ओजस्वी प्रवक्ता,क्रन्तिकारी संत प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व में बिजेन्द्र रामचंद्र सिंह द्वारा आयोजित 21 फरवरी से 1 मार्च तक नौ दिवसीय मानस महाकुंभ की पूर्व संध्या पर भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया है।20 फरवरी को शाम 4 बजे दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर रामकथा आयोजन स्थल वसन्तनगरी ग्राउंड, वसंत नगरी, वसई पूर्व पहुँचकर विश्राम लेगी।इस कलश यात्रा में हजारों की संख्या में एक रंगीय परिधान से सजे श्रद्धालुओं का अपार जन समूह गाजे बाजे के साथ भक्ति भाव से सम्मिलित होगा। उल्लेखनीय है कि,सुप्रसिद्ध समाजसेवक बिजेन्द्र रामचंद्र सिंह के आध्यात्मिक उत्थान की सहभागी उनकी धर्मनिष्ठा पत्नी श्रीमती मीरा बिजेन्द्र सिंह के पावन संकल्प से बिजेन्द्र रामचंद्र सिंह द्वारा आयोजित मानस महाकुंभ के भाव स्वरूप में यह पाँचवी दिव्य श्रीरामकथा है।अपने युवा साथियों के साथ आयोजन को सफल बनाने में लगे युवा समाज सेवी प्रिंस बिजेंद्र सिंह ने सभी श्रद्धालुओं का इस भव्य कलश यात्रा में सम्मिलित होने का आव्हान करते हुए रामकथा रसिकों को पुण्य अर्जन करने के लिए इस नौ दिवसीय मानस महाकुंभ में अवगाहन हेतु सादर आमंत्रित किया।

विधायक रमेश सिंह ने सदन में उठाया शाहगंज को जिला बनाने का मुद्दा

शाहगंज की चीनी मिल को फिर से चालू कराने, निषाद मल्लाह आदि जातियों के आरक्षण जैसे मुद्दों को सदन में उठाया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर-प्रदेश विधानसभा में निषाद पार्टी के विधान मंडल दल के नेता एवं शाहगंज के विधायक रमेश सिंह ने मंगलवार को शाहगंज को जिला बनाने का मुद्दा उठाया। विधायक ने सदन में कार्यवाही के दौरान क्षेत्र की जनता के हितों, शाहगंज के बहुमुखी विकास व मछुआ, कश्यप, बिंद, मल्लाह, निषाद, केवट, मझवार, गोंड व धनगर समाज के लिए आरक्षण की मांग को पुरजोर ढंग से उठाया। इससे समाज मे इन वर्गों को भी शैक्षिक, सामाजिक व आर्थिक रुप से विकास का समान अवसर मिल सके और वे भी विकास की मुख्य धारा में सम्मिलित हो सकें। इतना ही नहीं क्षेत्र के समग्र विकास के लिए शाहगंज को जिला बनाने, किसानों की जीवनरेखा शाहगंज की चीनी मिल को फिर से चालू कराने जैसे सर्वसमाज के हितों से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात को रखा। उन्होंने कहा कि शाहगंज विधानसभा क्षेत्र पूरे पूर्वांचल में व्यावसायिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। विधायक ने कहा कि शाहगंज को जिले का दर्जा मिलना क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। विधायक ने कहा कि शाहगंज के जिला बनने से विधानसभा क्षेत्र की जनता को आवश्यक कार्यों के लिए जिला मुख्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है। शाहगंज में ही कलेक्ट्रेट से लेकर अन्य विभाग क्षेत्र में ही सुलभता से जनता को मिलेंगे, इससे जनता की भटकन, समय, श्रम और फिजूल खर्ची से निजात मिलेगी। इसके अलावा क्षेत्र के विकास के मुद्दों को लेकर विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विधानसभा स्थित कार्यालय पर शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री से प्राप्त मार्गदर्शन से क्षेत्र के विकास कार्यों को और भी अधिक गति मिलेगी।

वर्ष 2000 के मुकदमे में सभी आरोपी दोषमुक्त, वरिष्ठ अधिवक्ताओं की पैरवी रंग लाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वर्ष 2000 में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 140/2000 में विशेष एमपी-एमएलए न्यायालय (अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-द्वितीय) ने सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है। न्यायालय द्वारा 19 फरवरी 2026 को पारित आदेश में साक्ष्यों के अभाव में आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी करने का निर्णय सुनाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुकदमा अपराध संख्या 140/2000 में आरोपियों–सुरेंद्र प्रताप सिंह, सुबेदार सिंह, संजय पाठक, भूपेंद्र सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह तथा गुलाब चंद्र पांडेय–के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धाराएं 147, 148, 332, 353, 323, 504, 506, 427 तथा 7 क्रिमिनल लॉ अमेंडमेंट एक्ट के तहत आरोप लगाए गए थे। यह मामला वर्ष 2000 में दर्ज हुआ था और लंबे समय से न्यायालय में विचाराधीन था। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि प्रस्तुत साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर आरोप सिद्ध नहीं हो सके। इसके चलते सभी आरोपियों को दोषमुक्त किया जाता है। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया कि आरोपी पूर्व से जमानत पर थे, जिसे निरस्त करते हुए उन्हें धारा 437-ए के अंतर्गत नियमानुसार बंधपत्र देने के निर्देश दिए गए हैं। न्यायालय ने आदेश की प्रति अभिलेख में सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी द्वारा अस्थायी गो-आश्रय स्थल सादनपुर का स्थलीय निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चन्द्र द्वारा विकास खंड बक्शा अंतर्गत अस्थायी गो-आश्रय स्थल सादनपुर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गो-आश्रय स्थल में भूसा एवं चोकर की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त की और पाया कि सभी प्रकार की मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने यह भी देखा कि गोवंशों के लिए नैपियर घास की बुवाई की गई है। इसे देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की तथा निर्देश दिया कि इसी प्रकार सभी गो-आश्रय स्थलों में हरे चारे की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि गोवंशों का स्वास्थ्य बेहतर बना रहे। जिलाधिकारी ने गोवंशों को गुड़ भी खिलाया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने केयरटेकरों को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया और उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने पशु चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि गोवंशों के स्वास्थ्य की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यकतानुसार उनका समुचित उपचार भी किया जाए।

एजीआई के तीन दिवसीय बोरीवली डिजाइन फेयर 2026 की भव्य उद्घाटन के साथ हुई शुरूआत

मुंबई। आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा आयोजित और टाइटल स्पॉन्सर सुमित ग्रुप के सहयोग से होने वाला बहुप्रतीक्षित बोरीवली डिजाइन फेयर (बीडीएफ) 2026 का शुभारंभ आज एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। यह आयोजन आदित्य कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, बोरीवली वेस्ट, मुंबई में किया गया। फेस्टिवल का औपचारिक उद्घाटन टछअ संजय उपाध्याय जी ने किया उस समय सम्मानित अतिथियों की उपस्थिति में हुआ, जिसमें एक सम्मानित विधायक सहित शैक्षणिक दिग्गज, उद्योग प्रतिनिधि और समुदाय के सदस्य शामिल थे। इस उद्घाटन समारोह के साथ डिजाइन, नवाचार, संस्कृति, नेतृत्व और सामुदायिक भागीदारी के तीन दिवसीय उत्सव की शुरूआत हुई, जिसमें छात्रों, पेशेवरों और स्थानीय निवासियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। पहले दिन में रचनात्मकता, प्रतियोगिता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति से भरी गतिविधियों का लाइनअप था। डिजाइन थिंकिंग चैलेंज और मॉक स्टॉक सिमुलेशन ने नवाचार और रणनीतिक सोच के लिए माहौल तैयार किया, जबकि बिजनेस आइडियाज प्लेटफॉर्म ने युवा उद्यमियों को विशेषज्ञ दर्शकों के सामने आइडियाज प्रस्तुत करने का अवसर दिया। इसके अलावा, ई-स्पोर्ट्स की प्रतियोगिताएँ और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने कैंपस में खूब उत्साह भर दिया और इसमें कई छात्रों ने हिस्सा लिया। दिन का सबसे बड़ा आकर्षण बीडीएफ के तहत होने वाले रंग-बिरंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम थे। इनमें संगीत, नृत्य, फैशन शो, नाटक और लाइव परफॉर्मेंस के जरिए बहुत सारी रचनात्मकता और युवाओं का जोश दिखा। साथ ही, सामाजिक कामों के तहत मुफ्त स्वास्थ्य जांच और आँखों की जांच के कैंप भी लगाए गए। एनजीओ से जुड़े कार्यक्रम और बुजुर्गों के लिए गतिविधियाँ भी शुरू हुईं। इससे उत्सव की सामाजिक जिम्मेदारी और सबको साथ लेकर चलने की भावना और मजबूत हुई। इस अवसर पर, आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के एक प्रवक्ता ने कहा, बोरीवली डिजाइन फेयर हमारी उस सोच को दशार्ता है जिसमें रचनात्मकता, नवाचार और समुदाय एक साथ आते हैं। पहले दिन मिली शानदार प्रतिक्रिया ने आने वाले दिनों के लिए मजबूत आधार तैयार किया है। पहले दिन कई लोगों ने इसमें हिस्सा लिया और खूब जोश-खरोश रहा। अब बोरीवली डिजाइन फेयर 2026 अब अगले दो दिनों में होने वाले प्रमुख आकर्षणों की ओर बढ़ रहा है। इनमें शामिल हैं - इनोवेशन समिट, रंगरेज सांस्कृतिक कार्यक्रम, बेहद प्रतीक्षित सीएक्सओ मीट। अगले दो दिन में नए-नए आइडिया, ढेर सारी क्रिएटिविटी और लोगों का साथ मिलकर काम करने का

सिचाई को गई महिला से छेड़खानी, मारपीट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुरेरी थाना क्षेत्र के एक गांव की एक महिला ने गांव के ही युवक पर छेड़खानी और मारपीट का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार सुरेरी थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उनके पति गुजरात के सूरत में रहते हैं। गांव का ही एक युवक अक्सर उसके साथ छेड़खानी करता है और मोबाइल फोन पर अभद्र बातें करता है। महिला का आरोप है बीते 18 बुधवार को सुबह करीब 9 बजे वह खेत में पानी भरने गई थीं, तभी आरोपी वहां पहुंच गया और उनके साथ मारपीट करते हुए छेड़खानी की। शोर मचाने पर वह मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की । वहीं सुरेरी पुलिस पिड़िता की शिकायत पर नीलू सिंह पुत्र गांधी सिंह निवासी राईपुर थाना सुरेरी पर बीएनएस की धारा मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक सुरेरी राजेश कुमार मिश्र ने बताया मामले में बी एन एस की धारा 115(2) व 74 के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

वाराणसी : अमरा फीडर से 10 दिन बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के अमरा विद्युत उपकेंद्र से संचालित अमरा फीडर से 19 फरवरी से 28 फरवरी तक बिजली आपूर्ति बाधित रोजाना तीन घंटे रहेगी। इस दौरान भदवर तक पोषक का निर्माण कार्य कराया जाएगा। विभागीय अधिकारियों ने लोगों से बिजली से संबंधित काम पहले ही निबटाने की अपील की है। अधिशासी अभियंता ने बताया कि 33/11 केवी अमरा विद्युत उपकेंद्र से निकले 11 केवी अमरा फीडर से संबंधित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक बाधित रहेगी। इस दौरान इंस्टीच्यूट ऑफ हेरिटेज मेडिकल साइंस भदवर तक पोषक का निर्माण कराया जाएगा। ऐसे में सभी उपभोक्ता बिजली से संबंधित अपनी दैनिक जरूरतों से जुड़े काम जैसे पेयजल, इन्वर्टर चार्ज, नजरेटर आदि के काम पहले ही निबटा लें। अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

एकमुश्त कर के लिए 20-21 फरवरी को मेले का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) ने अवगत कराया है कि परिवहन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा सहायक सम्भागीय परिवहन कार्यालय जौनपुर परिसर में 20 एवं 21 फरवरी को परिवहन मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेले का उद्देश्य 7500 किलोग्राम तक के सकल वाहन भार वाले वाणिज्यिक वाहनों हेतु लागू की गयी नई एकमुक्श्त कर संरचना के संबंध में वाहन स्वामियों, संचालकों, वाहन विक्रेताओं एवं अन्य परिवहन हितधारकों को जागरूक करना है। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अधिसूचन 30 जनवरी 2026 के माध्यम से लागू नई कर व्यवस्था के अन्तर्गत वाणिज्जिक वाहनों पर कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी एवं सुगम बनाया गया है। नई व्यवस्था के अनुसार 3000 किलोग्राम तक सकल वाहन भार वाले मालवाहक वाहनों पर वाहन मूल्य का 3 प्रतिशत एकमुश्त कर देय होगा। 3000 किलोग्राम से 7500 किलोग्राम तक के सकल वाहन भार वाले मालवाहक वाहनों पर वाहन मूल्य का 6 प्रतिशत एकमुश्त कर देय होगा। 10 लाख तक मूल्य वाले वाणिज्यिक टैक्सी (मोटर कैब) पर 10.5 प्रतिशत तथा 10 लाख से अधिक मूल्य वाले वाहनों पर 12.5 प्रतिशत एकमुश्त कर देय होगा। इस नई कर व्यवस्था का उद्देश्य कर प्रणाली को सरल बनाना, अनुपालन को सुगम करना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना तथा परिवहन व्यवसाय को प्रोत्साहित करना है। मेले के दौरान परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा नई कर संरचना, कर निर्धारण की प्रक्रिया, पंजीकरण संबंधी प्रावधानों एवं अन्य संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी तथा हितधारकों की शांकाओं का समाधान किया जाएगा। जनपद जौनपुर के समस्त वाहन विक्रेताओं, टैक्सी यूनियनों, माल परिवहन यूनियनों, वाहन स्वामियों एवं परिवहन क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों को इस परिवहन मेले में सादर आमंत्रित किया जाता है।

लाठी चार्ज के विरोध में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ में विधानसभा घेराव के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी जौनपुर ने वृहस्पतिवार को महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने किया। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में मनरेगा बहाली की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जा रहा था, जिस पर पुलिस कार्रवाई योगी सरकार की दमनात्मक नीति को दशार्ती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए आंदोलनों को दबाने का प्रयास कर रही है। शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने लाठीचार्ज को बर्बरतापूर्ण बताते हुए कहा कि सरकार विरोध की आवाज से डर रही है और लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन कर रही है। धरने में प्रदेश सचिव सत्यबीर सिंह, देवराज पांडेय, शेर बहादुर सिंह, विनय तिवारी, राकेश सिंह डब्बू, लाल प्रकाश पाल, अरुण शुक्ला, इरशाद खान, एनएसयूआई शहर अध्यक्ष अमन सिंहा सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती आयोजित

मुंबई(उत्तरशक्ति)। दक्षिण मुंबई के कोलाबा तालुका के भारतीय जनता पार्टी के वार्ड क्रमांक 221 व 222 ने कोलभाट लेन स्थित कार्यालय में कालबादेवी - चीरा बाजार मंडल अध्यक्ष जनक संघवी के नेतृत्व में भारत के वीर और हिन्दु मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े धूम धाम से मनाई गई। इस कार्यक्रम में मनपा २२२ की नगरसेविका रीटा मकवाणा, कोलाबा विधान सभा संयोजक हेमंत मेहेर, जलना नगर पालिका के नगर सेवक वीरेंद्रप्रकाश धोका, कोषाध्यक्ष ललित जैन, प्रवीणा मोदी, मंगल मयेकर के साथ कई स्थानीय लोगों, भा.ज.पा कार्यकर्ताओं ने महाराज को पुष्पांजलि अर्पित की।

उसी समारोह के एक चित्र में बाएं से: दिपक राव, राशन समिति (६अ) के अध्यक्ष जवाहर दवे, आदर्श होटल समूह के और इंडियाप्रेस के संस्थापक जगदीश पुरोहित, वरिष्ठ पत्रकार एवं उत्तरशक्ति के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, भाजपा वॉर्ड २२२ के अध्यक्ष हिमांशु शाह के साथ आजेयक व पूर्व नगर सेवक जनक संघवी मौजूद रहे।

किआ सेल्टोस ने 6 लाख गाड़ियों की बिक्री की उपलब्धि हासिल की

मुंबई। भारत की प्रमुख मास-प्रीमियम कार निमार्ता कंपनी, किआ इंडिया ने घोषणा की है कि सेल्टोस ने भारत में 2019 में अपने लॉन्च के बाद से अब तक कुल 6 लाख यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि दिखाती है कि सेल्टोस लगातार ग्राहकों की पसंद बनी हुई है और यह मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में सबसे स्थिर प्रदर्शन करने वाली कार है। शुरूआत से ही सेल्टोस ने बाजार में एक मजबूत पहचान बनाई। इसमें वैश्विक स्तर का आकर्षक डिजाइन, पेट्रोल और डीजल दोनों में कई पावरट्रेन विकल्प, सभी फ्यूल टाइप में ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन, बड़ी इंफोटेनमेंट स्क्रीन, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी और प्रीमियम इंटीरियर फिनिश जैसी खासियतें शामिल थीं। उस समय जब यह सेगमेंट ज्यादातर सिर्फ उपयोगिता पर फोकस करता था, तब सेल्टोस ने केबिन के अंदर बेहतर अनुभव, टेक्नोलॉजी और दिखने में शानदार लुक पर ज्यादा जोर दिया।

सुरक्षा और टेक्नोलॉजी ने इसकी लोकप्रियता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। समय-समय पर किए गए अपडेट्स में एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम , बेहतर कनेक्टिविटी फीचर्स और मजबूत सेफ्टी पैकेज जोड़े गए। टॉप वेरिएंट्स से अब भी 29% बिक्री आ रही है, जो बताता है कि ग्राहक अब ज्यादा सुरक्षा, आराम और डिजिटल फीचर्स वाली कारें पसंद कर रहे हैं। वहीं, एंट्री और मिड-लेवल वेरिएंट्स की लगातार मांग सेल्टोस के संतुलित मूल्य-प्रस्ताव को दिखाती है।

सेल्टोस ने अपनी प्राइस रेंज में ऐसी सुविधाएं दीं जो आमतौर पर उच्च सेगमेंट की कारों में मिलती हैं। इससे हैचबैक, सेडान और कॉम्पैक्ट एसयूवी से अपग्रेड करने वाले ग्राहकों को बिना बड़ी कार में जाने के प्रीमियम अनुभव मिला। इसके विभिन्न वेरिएंट्स ने बजट पर ध्यान देने वाले और फीचर्स चाहने वाले दोनों तरह के ग्राहकों के लिए इसे उपयुक्त बनाया। इस उपलब्धि पर अपनी बात रखते हुए, किआ इंडिया के चीफ सेल्स ऑफिसर सुनहैक पार्क ने कहा, 6 लाख गाड़ियों की बिक्री का आंकड़ा पार करना यह दशार्ता है कि ग्राहक डिजाइन, सुरक्षा, टेक्नोलॉजी और परफॉर्मेंस में मजबूत फीचर्स देने वाली कार को पसंद कर रहे हैं। लॉन्च के समय सेल्टोस ने मिड- एसयूवी सेगमेंट में नई उम्मीदें जगाईं, क्योंकि इसमें ऐसी फीचर्स और कॉन्फिगरेशन्स दी गईं जो तब आम नहीं थीं। सभी वेरिएंट्स में लगातार मांग, खासकर टॉप ट्रिम्स की मजबूत डिमांड, ग्राहकों के एडवांस्ड सेफ्टी सिस्टम और कनेक्टेड टेक्नोलॉजी में बढ़ते भरोसे को दिखाती है। नई पीढ़ी की सेल्टोस इस मजबूत विरासत और ग्राहकों के व्यापक भरोसे पर आगे बढ़ रही है। यह किआ के मुख्य प्रोडक्ट पिलर्स - बड़े पैमाने पर मौजूदगी, बोल्ड डिजाइन, और प्रगतिशील सुरक्षा एवं टेक्नोलॉजी - को और मजबूत करती है। सेगमेंट-लीडिंग लंबाई 4,460`, बढ़ी हुई चौड़ाई 1,830` और लंबा व्हीलबेस 2,690` के साथ यह बेजोड़ इंटीरियर स्पेस और रोड प्रेजेंस देती है। नई सेल्टोस बिना समझौता किए कम्फर्ट, बड़ा डिजिटल इंटरफेस, अपग्रेडेड अऊअर सूट और बेहतर सेफ्टी आर्किटेक्चर प्रदान करती है। केबिन की रिफाइनमेंट और फीचर्स के इंटीग्रेशन में सुधार से रोजमर्रा का इस्तेमाल और भी आसान हो गया है, जबकि ग्राहकों को पसंद आने वाले कई पावरट्रेन और ट्रांसमिशन विकल्प इसमें बरकरार हैं। किआ इंडिया जैसे-जैसे विकास के अगले चरण में प्रवेश कर रही है, सेल्टोस एक स्पष्ट और बहुआयामी 'वैल्यू प्रपोजिशन' (बेहतरीन वैल्यू) पेश कर कंपनी की मिड- एसयूवी रणनीति का मुख्य आधार बनी हुई है। 6 लाख बिक्री का यह पड़ाव ग्राहकों की निरंतर स्वीकार्यता का प्रमाण है। वहीं, इसका अपडेटेड मॉडल उन मौजूदा और नए ग्राहकों के बीच नई मांग पैदा करने के लिए तैयार है, जो एक व्यावहारिक होने के साथ-साथ प्रीमियम और आधुनिक एसयूवी की तलाश में हैं।

पूर्व न्यायाधीश एस.एस. उपाध्याय का धनराजी पाल विद्यालय में भव्य स्वागत

मुंबई। विक्रोली पार्कसाईट स्थित धनराजी पाल विद्यालय में आज एस एस शंकर उपाध्याय का भव्य स्वागत किया गया। श्री उपाध्याय पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश, उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश राज्यपाल के पूर्व विधिक सलाहकार, पूर्व अपर निदेशक (जे.टी.आर.आई.), उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं लोकपाल (डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम 760 इंजीनियरिंग कॉलेज) के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। विद्यालय पहुंचने पर संस्था चालक एवं मुख्याध्यापक राजधारी सुखराज पाल द्वारा उन्हें शाल ओढ़ाकर तथा सम्मान चिन्ह भेंटकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में गरिमामय वातावरण बना रहा। तथा विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक एवं विधिक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। उपस्थित सभी लोगों ने उनके अनुभवों और मार्गदर्शन से लाभान्वित होने का अवसर प्राप्त किया। इस अवसर पर पत्रकार एवं विशेष कार्यकारी अधिकारी आदेश मिश्र, एडवोकेट सुमित राजधारी पाल, भानुप्रताप सिंह,अनिल सिंह, प्रवीण व्यास, रमेश राजभर,बेचू प्रजापति सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ओसी को लेकर पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बीएमसी कमिश्नर संग की बैठक

मुंबई। उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी के नेतृत्व में गए एक प्रतिनिधिमंडल की बृहन्मुंबई महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगराणी के कार्यालय में उनसे मुंबई शहर के बहुचर्चित और लंबे समय से लंबित ऑक्युपेशन सर्टिफिकेट (ओसी) के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

इस बैठक में महाराष्ट्र शासन के वर्तमान शासन निर्णय में प्रक्रियात्मक त्रुटियों को दूर करने पर चर्चा हुई। वर्तमान शासन निर्णय में डउ छूट केवल ८०० वर्ग फुट वाले अपार्टमेंट्स तक ही सीमित थी, जिसे रद्द करने और मंजूर नक्शा वाले सभी निवासी इमारतों और अपार्टमेंट्स को क्षेत्रफल की कोई सीमा न लगाते हुए ऑक्युपेशन टू ऑल के सिद्धांत के अनुसार (ओसी) देने की ठोस और एकमुखी मांग भारतीय जनता पार्टी की ओर से की गई। इसके अलावा, वर्तमान शासन निर्णय में केवल स्कूलों और अस्पतालों के लिए व्यावसायिक (कमर्शियल) इमारतों को ही डउ देने की प्रावधान था। इस बैठक में यह सीमा हटाकर सभी प्रकार की व्यावसायिक इमारतों को भी ओसी देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। बैठक में जनसेवक गोपाल शेट्टी, भाजपा महापालिका गटनेता गणेश खणकर, जिल्हाध्यक्ष बाला तावडे, एडवोकेट सिद्धार्थ शर्मा, आर्किटेक्ट अरविंद नंदापुरकर और एडवोकेट विवेकानंद गुप्ता शामिल हुए।

बिपिन पाण्डेय का सड़क दुघर्टना से दु:खद निधन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर पोस्ट बसारतपुर, ग्राम हरखमलपुर निवासी बिपिन पाण्डेय बमबम जी का निधन दिनांक 11 फरवरी को प्रयागराज से आते हुए रात 10 बजे मुंगरा बादशाहपुर के पास बोलोरो से दिवाल में टकराने से निधन हो गया। वे अपने घर जौनपुर जा रहें थे। 37 वर्ष के अल्प आयु में छोड़ कर चले गए । बिपिन पाण्डेय एक सरल , सौम्य , मृदु भाषी समाजिक व्यक्ति थे। उनके निधन पर गांव में शोक की लहर फैल गई । अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए है। छोटे छोटे तीन बच्चे हैं। विराट सेवा संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक पांडे के भतीजे हैं। उनका दशगात्र शुधक दिनांक 20 फरवरी 2026 दिन शुक्रवार को है। त्रयोदशी ब्रह्मभोज दिनांक 23 फरवरी 2026 सोमवार को रखा गया है। शोकाकुल परिवार में अशोक कुमार पांडेय , राकेश कुमार (पप्पू पांडेय) , तथा बृजेश कुमार पांडेय को ईश्वर दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

इंदौर में ट्रक टकरायी, वृक्ष धराशाई

-प्रणीत तिवारी चीफ ब्यूरो

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर नगर में स्थित सिलिकॉन सिटी में एक ट्रक की लापरवाही से एक पेड़ धराशायी हो गया, जिससे यातायात बाधित हो गया। काफी समय के लिए यातायात बाधित होने के कारण आवागमन पर बुरा असर पड़ा। उत्तर शक्ति संवाददाता प्रणय तिवारी की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना हाल ही में हुई है। इस घटना के कारण यातायात प्रभावित हुआ है, और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन पेड़ के गिरने से आसपास के क्षेत्र में नुकसान हुआ है।

PNB MetLife ने नए ब्रांड पोज़िशनिंग 'Always Ready for Life' के साथ भारतीयों को जीवन के लिए हमेशा तैयार रहने का संदेश दिया

नई दिल्ली। PNB MetLife India Insurance Company Limited (PNB MetLife), भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, ने अपनी नई ब्रांड पोज़िशनिंग 'Always Ready for Life' (जीवन के लिए हमेशा तैयार) लॉन्च की है। इस अभियान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टारSmriti Mandhana को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य जीवन के हर चरण में बीमा और वित्तीय योजना की आवश्यकता को लेकर संवाद को मजबूत करना है। भारत में आज भी 91% का लाइफ प्रोटेक्शन गैप बना हुआ है, यानी परिवारों की वित्तीय सुरक्षा के लिए आवश्यक हर 100 में से केवल 9 ही कवर हो पाता है। वहीं, 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी 2036 तक लगभग 23 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जो कुल जनसंख्या का करीब 15% होगी। PNB MetLife के चीफ मार्केटिंग एंड कम्युनिकेशंस ऑफिसर, सौरभ लोहटिया ने कहा, जब आज के अवसरों के साथ समझदारी भरी वित्तीय तैयारी जुड़ जाती है, तो जीवन में एक अलग ही तरह की स्वतंत्रता महसूस होती है। इस अभियान के माध्यम से हम यह दिखाना चाहते हैं कि तैयारी करने से लोग उन चीजों पर ध्यान दे पाते हैं जो वास्तव में मायने रखती हैं। वित्तीय विकास और सुरक्षा संभव है, और PNB MetLife भारतीयों को वित्तीय योजना को सरल बनाकर हर भविष्य के पड़ाव को उत्साह के साथ अपनाने में सहयोग करना चाहता है। इस अभियान में स्मृति मंधाना के साथ साझेदारी PNB MetLife को मिलेनियल्स और युवा वर्ग तक अपनी बात पहुंचाने में मदद करेगी। अभियान पर बोलते हुए स्मृति मंधाना ने कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर हम हर मैच से पहले पिच का अध्ययन करते हैं, विपक्ष को समझते हैं और परिस्थिति का आकलन करते हैं। जीवन भी कुछ ऐसा ही है–हर लक्ष्य और हर स्थिति के लिए तैयार रहना जरूरी है, और इसमें वित्तीय तैयारी की अहम भूमिका होती है। जीवन बीमा हर चरण में एक मजबूत आधार बनाता है–चाहे बड़े सपने पूरे करने हों, परिवार शुरू करना हो, घर खरीदना हो या आरामदायक रिटायरमेंट की योजना बनानी हो।

वसई में ब्रह्मर्षि मोहनजी का उत्तम कुमार ने शॉल और समई देकर किया सम्मान

वसई। वसई में आज इंटरनेशनल स्पिरिचुअल गुरु ब्रह्मर्षि मोहनजी ने भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश के केरल सेल के कन्वीनर उत्तम कुमार के कार्यालय का गुडविल विजिट किया। इस अवसर पर उत्तम कुमार ने ब्रह्मर्षि मोहनजी को शॉल और समई भेंट कर उनका सम्मान किया। इस दौरान आध्यात्मिकता, मानव कल्याण, समाज में सकारात्मक परिवर्तन और चैरिटेबल गतिविधियों जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। उपस्थित लोगों ने दया, अहिंसा और निस्वार्थ सेवा के मूल्यों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। ब्रह्मर्षि मोहनजी के विचारों और कार्यों से प्रेरित होकर समाज में करुणा आधारित परिवर्तन की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में 23 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले एक विशेष आयोजन के लिए भी आमंत्रण दिया गया। यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक Mohanji Centre of Benevolent Affairs (चंबल, गणेशपुरी), मुंबई के पास आयोजित होगा। इस अवसर पर सेवा, साधना, ध्यान और मानवता की भलाई से जुड़ी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, जिसमें देशभर से भक्त और अनुयायी शामिल होंगे। ब्रह्मर्षि मोहनजी एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु, मानवतावादी चिंतक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उनके द्वारा स्थापित Brahmarshi Mohanji Foundationके माध्यम से विश्वभर में ध्यान, आध्यात्मिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, पशु सुरक्षा और मानव सेवा से संबंधित अनेक गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं। उनका संदेश है – दया ही असली ताकत है। मौजूद लोगों ने अनुभव किया कि इस विजिट से वसई क्षेत्र में आध्यात्मिक और सामाजिक स्तर पर सकारात्मक ऊर्जा और सद्भाव का वातावरण मजबूत हुआ ।

जौनपुरः मस्जिदों व घरों में रोजेदारों ने इफ्तार कर खोला रोजा

-इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में गुरुवार को पवित्र माह रमजान के पहले दिन मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में सुबह से ही रोजेदारों की चहल पहल दिखाई पड़ी। सूर्योदय से पहले ही लोगों ने अपने अपने घरों में सहरी करने के बाद रोजा रखने की नीयत किया और अजान के बाद फज्र की नमाज अदा किया। मौसम खुशगवार होने की वजह से रोजेदारों का पहला दिन काफी अच्छा रहा तो वहीं रमजान के पहले दिन रविवार होने के कारण नगर की मस्जिदों में नमाज अदा करने वालों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। लोगों ने नमाज के बाद मुल्क में अमन व शांति एवं खुशहाली के लिए दुआएं मांगी।

सामाजिक संगठनों ने किया पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव का सम्मान

मुंबई। उत्तर भारतीय समाज के गौरव कहे जाने वाले तथा लगातार चार बार नगरसेवक निर्वाचित होने वाले पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव के जन्मदिन पर अनेक सामाजिक संगठनों ने उनका सम्मान किया। मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन के उपाध्यक्ष मानिकचंद यादव, पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ द्रिगेश यादव, यादव युवा संघ के अध्यक्ष लाल साहब यादव, श्री वासुदेव फाउंडेशन के अध्यक्ष अरविंद यादव तथा यादव समाज प्रगति संघ के उपाध्यक्ष दिनेश राम ब्रिज यादव द्वारा उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ.रामचंद्र रामधनी यादव, इंजीनियर अनिल यादव, पंकज यादव एंड.पवन यादव, राजवली यादव समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। कमलेश यादव की पुत्री तथा नवनिर्वाचित नगरसेविका मनीषा यादव ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुक्ता आर्ट्स की बौद्धिक संपदा पर आधारित एनिमेटेड शो और फिल्मों के विकास के लिए समझौता ज्ञापन की घोषणा की

मुंबई। मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड और ग्रीन गोल्ड निमेशन ने मुक्ता आर्ट्स के प्रतिष्ठित बौद्धिक संपदा (क्ढ) पोर्टफोलियो पर आधारित एनिमेटेड शो और फीचर फिल्मों के विकास एवं निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। एनिमेशन क्षेत्र में रणनीतिक विस्तार के तहत मुक्ता आर्ट्स ने वर्ष 2025 में एसजीएम एनिमेशन स्टूडियो की स्थापना की। यह स्टूडियो कंपनी का समर्पित एनिमेशन और गेमिंग प्रभाग है, जो एनिमेटेड फिल्में, सीरीज, कॉमिक बुक्स और गेम्स के विकास, निर्माण तथा सह-निर्माण पर केंद्रित रहेगा। चार दशकों से अधिक समय में निर्मित मुक्ता आर्ट्स की समृद्ध आईपी लाइब्रेरी का लाभ उठाते हुए, कंपनी की कहानी कहने की विरासत से प्रेरित नई मौलिक बौद्धिक संपदाओं के सृजन पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। इस समझौते के तहत दोनों कंपनियां मुक्ता आर्ट्स की चर्चित फिल्मों पर आधारित कई एनिमेटेड आईपी विकसित करेंगी। इनमें कालीचरण, कर्ज, हीरो, कर्मा, राम लखन, खलनायक, सौदागर और इकबाल जैसी फिल्में शामिल हैं। साथ ही इन फिल्मों के लोकप्रिय किरदारों पर आधारित स्पिन-ऑफ सीरीज भी विकसित की जाएंगी। मुक्ता आर्ट्स और ग्रीन गोल्ड एनिमेशन की क्रिएटिव टीमों के बीच प्रारंभिक चर्चा शुरू हो चुकी है और पहला प्रोजेक्ट फिलहाल विकास के चरण में है।

छोटे हाथ, बड़े सपनों के 22 साल-यूवा मास्टरस्ट्रोक 2025

मुंबई। नवनीत एज्युकेशन लिमिटेड के यूवा ने यूवा मास्टरस्ट्रोक के अपने 22वें संस्करण के सफल आयोजन की घोषणा की है। यह एक अखिल भारतीय ड्रॉइंग प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन अगस्त से दिसंबर के बीच किया गया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से केजी से लेकर कक्षा 10 तक के विद्यार्थियों को ड्रॉइंग के जरिए अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने का मंच मिलता है।

दो दशक से अधिक पहले शुरू हुई यह पहल आज एक व्यापक रचनात्मक मंच के रूप में स्थापित हो चुकी है। 2025 संस्करण को देशभर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इसमें भारत के 6,600 से अधिक स्कूलों के 20 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। यह पहल केवल प्रतिभा को पहचान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य छात्रों के बीच ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना है, जहाँ वे कला की सार्वभौमिक भाषा के माध्यम से अपने विचारों और भावनाओं को सहज रूप से अभिव्यक्त कर सकें। जिला स्तर पर प्राप्त प्रविष्टियों का मूल्यांकन भारत पार्टे के मार्गदर्शन में किया गया। जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट से जुड़ी उनकी पृष्ठभूमि और वर्षों के अनुभव ने इस प्रक्रिया को विशेष गहराई दी। उन्होंने केवल चित्रों का मूल्यांकन ही नहीं किया, बल्कि प्रतियोगिता की समग्र भावना को भी एक नई दिशा दी। विजेता अपने-अपने क्षेत्रों में रचनात्मकता की सर्वोच्च झलक प्रस्तुत करते हैं। इन प्रतिभाशाली छात्रों तक पुरस्कार और आधिकारिक सम्मान समय पर पहुँचें, इसके लिए यूवा, स्कूल प्रशासन और स्थानीय सेल्स टीमों के साथ मिलकर लगातार काम कर रहा है। अब तक 40,000 से अधिक विजेताओं को उनके गिफ्ट हैम्पर्स वितरित किए जा चुके हैं। के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से जिला स्तर के राउंड आयोजित किए गए थे। प्रत्येक स्कूल से चुनी गई सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों की गहन समीक्षा के बाद, यूवा ने हर जिले में प्रत्येक समूह से एक विजेता का चयन किया।

बेस्ट समिति का सदस्य बनाए जाने पर क्षत्रिय गौरव सेवा संस्था ने अजय सिंह का किया सत्कार

मुंबई। क्षत्रिय गौरव सेवा संस्था ने बुधवार देर शाम अंधेरी (पूर्व) के अंधेरी-कुर्ला रोड स्थित प्रकाशवाडी में सम्मान समारोह आयोजित कर मुंबई भाजपा प्रवक्ता अजय सिंह को बेस्ट समिति का सदस्य मनोनीत किए जाने पर सत्कार किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष विजय सिंह गब्बर ने की। उन्होंने कहा कि जब अपने समाज, गांव या देश का कोई व्यक्ति मुंबई जैसे शहर में राजनीति, उद्योग अथवा अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करता है,तो पूरे समाज को गर्व और संतोष की अनुभूति होती है। सफल व्यक्ति ही अपने समाज और कुल के उत्थान में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में संपन्न मनपा चुनाव में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा क्षत्रिय समाज के किसी भी प्रतिनिधि को टिकट न दिया जाना समाज के लिए निराशाजनक रहा,जबकि समाज का समर्थन सदैव इस पार्टी के साथ रहा है। सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अजय सिंह ने कहा कि बेस्ट समिति सदस्य के रूप में मिली इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन वे पूर्ण निष्ठा,पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि मुंबई की परिवहन एवं विद्युत सेवाओं को और अधिक सुदृढ़,आधुनिक और जनहितकारी बनाने की दिशा में वे सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष सुधाकर सिंह विशेन, राम सुरेश सिंह, राकेश सिंह, नंदलाल सिंह, दिग्विजय सिंह, विनोद सिंह, सुरेंद्र सिंह, घनश्याम सिंह, राजहंस सिंह, महेश सिंह चौहान सहित कई पदाधिकारी और मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे, पत्रकार गंगाराम विश्वकर्मा ने भी अजय सिंह को बेस्ट समिति सदस्य बनाए जाने की खुशी में सत्कार किया।

क्लब महिंद्रा ने जिम कॉर्बेट में दूसरा रिजॉर्ट लॉन्च कर बढ़ाया अपना पोर्टफोलियो

मुंबई। भारत की प्रमुख लेजर हॉस्पिटैलिटी कंपनी, महिंद्रा हॉलिडेज एंड रिजॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड (एमएचआरआईएल) ने जिम कॉर्बेट में क्लब महिंद्रा नदिया पराओ रिजॉर्ट लॉन्च करने की घोषणा की, जिससे उत्तराखंड में इसकी मौजूदगी का विस्तार हुआ है। यह लॉन्च, कंपनी की तेजी से विस्तार करने की रणनीति के अनुरूप है और कंपनी के भारत की सर्वश्रेष्ठ लेजर हॉस्पिटैलिटी कंपनी बनने के लक्ष्य के साथ जुड़ा है। कंपनी का यह लक्ष्य रिजॉर्ट जोड़ने, पोर्टफोलियो को गुणवत्ता को बेहतरीन बनाने (प्रीमियमाइजेशन) और अनुशासित पूंजी आवंटन से प्रेरित है।

प्रशिक्षण से सशक्त होगा संगठन, बूथ से राष्ट्र तक भाजपा का विस्तार लक्ष्य : शिव प्रकाश

वाराणसी. सारनाथ स्थित केंद्रीय तिब्बती उच्च शिक्षण संस्थान में भारतीय जनता पार्टी के पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड एवं बिहार के उत्तर-पूर्व जोन की प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला वैचारिक संकल्प और संगठनात्मक रणनीति के साथ संपन्न हुई। कार्यक्रम में तीनों राज्यों के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और संगठन के प्रमुख नेताओं ने भाग लेकर बूथ से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में मंथन किया। उद्घाटन सत्र में अतिथियों ने भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर वंदे मातरम् का सामूहिक गान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने उद्घाटन एवं समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति निर्माण से संगठन निर्माण और संगठन निर्माण से राष्ट्र निर्माण भाजपा का मूल ध्येय है। उन्होंने प्रशिक्षण अभियान को ह्लराष्ट्र निर्माण का महायज्ञह्व बताते हुए कहा कि सतत प्रशिक्षण से कार्यकताओं का बौद्धिक और वैचारिक विकास होता है। उन्होंने सामाजिक समरसता, स्वदेशी चिंतन, अनुशासन और राष्ट्रभावना को संगठन की शक्ति बताया। राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने प्रशिक्षण महाअभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि 7 मार्च से 14 अप्रैल तक मंडल स्तर तथा 15 अप्रैल से 20 मई तक जिला स्तर की कार्यशालाएं आयोजित होंगी, जिसके बाद प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न होंगे। उन्होंने कहा कि एकात्म मानववाद और अंत्योदय की विचारधारा इस अभियान की आत्मा है और यह कार्यक्रम संगठनात्मक के साथ-साथ वैचारिक सशक्तिकरण का भी माध्यम है। कार्यक्रम के तृतीय एवं चतुर्थ सत्र में सात समूहों के माध्यम से कुल 14 विषयों पर चर्चा हुई। इनमें भाजपा का इतिहास एवं विकास, चुनाव प्रबंधन, संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ता विकास, समन्वय की भूमिका, कार्यालय संचालन, सरकार की उपलब्धियां, सोशल मीडिया रणनीति, नमो ऐप, एआई आधारित डिजिटल उपकरण तथा राष्ट्र के समक्ष चुनौतियां प्रमुख रहीं। समापन सत्र में केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र राजनीतिक दल है जो कार्यकताओं के प्रशिक्षण को संगठन की रीढ़ मानता है।